RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 330 ता. 12 जून 2021, शनिवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सीएम योगी ने केंद्रीय नेतृतव को दिया भरोसा, कहा-

फिर से जनसमर्थन प्राप्त करने में नहीं रहेगी कोई कसर

नई दिल्ली।

शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और एक दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पार्टी के सभी नेताओं को साथ लेकर चलने और पुराने व जमीनी आधार वाले साथियों को जोड़ने के मंत्र के साथ प्रदेश लौटेंगे। यानी बहुत जल्द सरकार में कुछ ऐसे बदलाव हो सकते हैं जिससे जातिगत व सामाजिक समरसता दिखे। केवल भाजपा ही नहीं, दूसरे साथी दलों से सरकार में प्रतिनिधित्व दिख सकता है। वहीं, बिछड़े साथियों को लाने की कवायद हो सकती है। वैसे योगी ने भरोसा दिया है कि चुनाव में भाजपा को फिर से जनता का समर्थन दिलाने में वह कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। दो दिवसीय दौरे में वैसे तो मुख्यमंत्री की ओर से प्रदेश में कोरोना की रोकथाम में प्रदेश सरकार की कोशिश को मुख्य रूप से बताया गया। तीसरी लहर की बाबत राज्य सरकार की तैयारियों से भी प्रधानमंत्री को अवगत कराया और 21 जून से शुरू होने वाली वैक्सीन नीति में जनसंख्या को आधार बनाने का आग्रह किया। मगर आगामी चुनाव के मद्देनजर उन्हें हर किसी ने यही सलाह दी कि हर स्तर पर विश्वास और भरोसे की डोर इतनी मजबूत होनी चाहिए कि सरकार और संगठन एक सा दिखे। कोरोना काल में उनकी सक्रियता के लिए प्रधानमंत्री और भाजपा अध्यक्ष ने उनकी पीठ थपथपाई, अफवाहों को तथ्यों के साथ खारिज करने और कोरोना के कारण बेसहारा हुए बच्चों के पुनर्वास पर जोर देने की सलाह दी। यह ताकीद भी दी कि गरीबों के लिए केंद्र और राज्य स्तर से हो रही मदद की पूरी निगरानी हो। नड्डा ने उन्हें सलाह दी कि सरकारी स्तर पर हो रही मदद के लिए भी जनजागरण फैलाने में संगठन का पूरा इस्तेमाल करें। बताया जाता है कि बहुत जल्द प्रदेश में कैबिनेट विस्तार हो सकता है। जितिन प्रसाद अभी-अभी पार्टी में शामिल हुए हैं। आने वाले वक्त में कुछ और ऐसे चेहरे जुड़ सकते हैं जिनकी जमीन पर धमक है। उन्हें योगी के साथ-साथ केंद्रीय नेतृत्व से भी पूरे सम्मान का भरोसा मिलेगा।

पीएम से मुलाकात के बाद योगी ने उनका माना आभार

नई दिल्ली । यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया। योगी आदित्यनाथ ने मुलाकात के बाद ट्वीट किया कि आज आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट करने एवं मार्गदर्शन प्राप्ति का सौभाग्य प्राप्त हुआ। अपनी व्यस्ततम दिनचर्या से भेंट के लिए समय प्रदान करने व आत्मीय मार्गदर्शन करने हेतु आदरणीय प्रधानमंत्री जी का हृदयतल से आभार।योगी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। सवा घंटे से अधिक समय की मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री आवास से बाहर निकले मुख्यमंत्री योगी ने पत्रकारों से कोई संवाद नहीं किया और सीधे भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलने उनके आवास की ओर निकल गए। इससे एक दिन पहले मुख्यमंत्री ने दिल्ली में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी।

पहला कॉलम

सचिन पायलट बिल्कुल भी नाराज नहीं, मेरी रोज फोन पर बात हो रही: अजय माकन

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव अजय माकन ने राजस्थान इकाई में फिर से टकराव की स्थिति बनने की खबरों के बीच कहा कि पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट नाराज नहीं हैं, राज्य कैबिनेट एवं सरकार के निगमों एवं बोर्ड में खाली पदों को जल्द ही सबसे बातचीत करके भर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सचिन पायलट के साथ उनकी रोजाना बातचीत हो रही है। कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी माकन ने पायलट समर्थक विधायकों की कथित नाराजगी से जुड़े सवाल पर कहा, ऐसा कुछ नहीं है। सबकी सुनी जा रही है। उन्होंने बताया,जो रिक्त पद हैं, चाहे वह कैबिनेट में हों या सरकार के अंदर बोर्डों या निगमों में हों,सभी से बातचीत कर इन्हें जल्द भरा जाएगा। जल्द ही सभी पदों पर नियुक्तियां होंगी।'' पायलट की नाराजगी के सवाल पर माकन ने कहा, ऐसा बिल्कुल नहीं है। मेरी उनसे रोज बात हो रही है। अगर नाराज होते तो क्या हमारी बात होती?'' गौरतलब है कि राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की नाराजगी की खबरों के बीच उनके समर्थक विधायकों ने उनके द्वारा उठाए मुद्दों के समाधान में देरी पर नाराजगी जाहिर की है।पायलट के करीबी करीब आधा दर्जन विधायकों ने सिविल लाइन स्थित उनके निवास पर उनसे मुलाकात भी की।

मछुआरों के हत्यारोपी 2 इतालवी नौसैनिकों पर चल रहे अपराधिक केस को बंद करने पर सहमत दी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को 2012 में केरल के मछुआरों की हत्या मामले में आरोपी दो इतालवी नौसैनिकों पर भारत में चल रहे अपराधिक मुकदमे को बंद करने पर सहमत हो गया है। इस संबंध में औपचारिक आदेश पारित किया जाएगा। जस्टिस इंदिरा बनर्जी और जस्टिस एमा आर शाह की अवकाशकालीन पीठ को केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सूचित किया कि पीड़ितों को संवितरण के लिए शीर्ष अदालत में 10 करोड़ रुपये का मुआवजा जमा कर दिया है। मेहता ने कहा कि कुल मुआवजे के बंटवारे पर फैसला करना केरल सरकार पर निर्भर है। इटली गणराज्य के वकील का कहना था कि अंतरराष्ट्रीय ट्रिब्यूनल की ओर से अवार्ड घोषित किए जाने के बाद दिल्ली की एक अदालत के समक्ष इतालवी नौसैनिकों के खिलाफ लंबित आपराधिक कार्यवाही को भी बंद कर दिया जाना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि ट्रिब्यूनल ने कहा था कि इटली, नौसैनिकों पर मुकदमा चलाने का अधिकार सुरक्षित रखेगा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और केरल सरकार, दोनों ने ट्रिब्यूनल के अवार्ड को स्वीकार कर लिया है। वहीं केरल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि पीड़ितों को उचित समय के बाद पैसा जारी किया जाना चाहिए। राज्य सरकार के वकील ने कहा, जब तक इस अदालत ने हस्तक्षेप नहीं किया था तब तक पीड़ितों के पास कुछ भी नहीं था। घटना के बाद राज्य में बहुत आक्रोश था। हालांकि वे अब संतुष्ट थे। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि धन को केरल हाईकोर्ट में स्थानांतरित किया जा सकता है और हाईकोर्ट पीड़ितों को दी जाने वाली राशि के वितरण के पहलू की निगरानी कर सकता है। बहरहाल सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को आदेश पारित करेगा। बता दें कि दो इतालवी नौसैनिक मैसीमिलियानो लटोरे और सल्वातोर गिरोन पर 15 फरवरी, 2012 को केरल के दो मछुआरों की हत्या करने के आरोप है।

सीबीआई ने पूर्व सीएम नबाम टुकी पर भ्रष्टाचार के मामले में दर्ज किया केस

नई दिल्ली । केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) ने अरुणाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री नबाम टुकी पर भ्रष्टाचार के मामले में एक और केस दर्ज किया है। सीबीआई अधिकारियों के मुताबिक, टुकी 2005-06 में जब लोक निर्माण कार्य एवं शहरी विकास मंत्री थे, तब उन पर निर्माण कार्य में अनियमितता बरतने का आरोप है। इससे पहले जुलाई, 2019 में सीबीआई ने टुकी और उनके भाई नबाम टगाम के खिलाफ 2003 में 3.20 करोड़ रुपये की एक सरकारी परियोजना को मनमाने और गलत तरीके से हासिल करने के आरोप में केस दर्ज किया था। टुकी नवंबर, 2011 से जनवरी, 2016 तक और जुलाई 2016 से सितंबर, 2016 तक अरुणाचल के सीएम रह चुके हैं।

रक्षामंत्री राजनाथ ने किया बीआरओ के दो उत्कृष्टता केंद्रों का उद्घाटन

नई दिल्ली।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के दो उत्कृष्टता केंद्रों का उद्घाटन किया। देश में बीआरओ की स्थापना सड़कों, पुलों, सुरंगों आदि के निर्माण को बढ़ावा देने के साथ ही सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि एक उत्कृष्टता केंद्र देश के पूर्वी और पश्चिमोत्तर हिस्सों में लगभग 60,000 किलोमीटर सड़कों, 56,000 मीटर पुलों, 19 हवाई पट्टियों और चार सुरंगों के विकास के क्रम में बीआरओ को मिले अनुभव को संस्थागत रूप देगा। दोनों केंद्र राष्ट्रीय राजधानी में बीआरओ मुख्यालय में स्थापित किए गए हैं। इस मौके पर रक्षा मंत्री सिंह ने दोनों केंद्रों की स्थापना में बीआरओ के प्रयासों की सराहना कर भेरासा जताया कि वे लोगों की कीमती जान को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सिंह ने सड़क दुर्घटनाओं को मूक महामारी बताया जिसमें हर साल करीब 1.5 लाख लोगों की मौत होती है।उन्होंने कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति, मोटर वाहन कानून 2020 और राष्ट्रीय राजमार्गों पर खतरनाक स्थानों की पहचान जैसी कई पहल की हैं ताकि इस संकट का सामना किया जा सके। सिंह ने दूरदराज के इलाकों में सड़कों, सुरंगों और अन्य आधारभूत ढांचे का विकास कर देश की प्रगति में बीआरओ की भूमिका की भी सराहना की। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में, खासकर कोविड के दौरान सड़क संपर्क बढ़ाने के लिए कठिन मौसम में भी अथक रूप से काम करने के लिए बीआरओ की सराहना की। उन्होंने कहा कि बीआरओ सशस्त्र बलों की जरूरतों को पूरा करने के साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास की दिशा में भी काम कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से बीआरओ की हालिया उपलब्धियों का जिक्र किया, जिनमें रोहतांग और जोजिला दर्रे में अटल सुरंग का निर्माण शामिल है।

राहुल ने इशारों-इशारों में पीएम मोदी और जितिन प्रसाद साधा निशाना

नई दिल्ली।

कांग्रेस महंगाई और पेट्रोल-डीजल के बढ़े दामों को लेकर देशभर में केंद्र सरकार के खिलाफ सड़कों पर है, कार्यकर्ता केंद्र के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन इस विरोध प्रदर्शन से पार्टी आलाकमान हिस्सा नहीं ले रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी इस प्रदर्शन में शामिल नहीं हैं। हालांकि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इशारों-इशारों में एक ऐसी बात कह दी कि लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि उनकी यह बात सरकार के खिलाफ है या फिर बीते दिनों कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए जितिन प्रसाद के लिए है। दरअसल, राहुल ने अपने ट्वीट में लिखा-सच से, सवालों से, कार्टून से- वह सब से डरता है। राहुल गांधी के इस ट्वीट ने सियासी सरगर्मी बढ़ा दी है। राहुल गांधी के इस ट्वीट पर लोग अंदाजा लगाने में जुटे हैं। कुछ यूजर्स इसे पीएम मोदी के खिलाफ बता रह हैं।

वैसे कुछ लोग इस ट्वीट को हाल ही में कांग्रेस पार्टी छोड़कर भाजपा में गए जितिन प्रसाद से जोड़कर भी देख रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी कोरोना संकट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार के खिलाफ लगातार हमला बोल रहे हैं। कोरोना या महंगाई से जुड़े हर मुद्दों पर वह सरकार पर सवाल खड़े कर रहे हैं। चाहे टीकाकरण का मुद्दा हो या महामारी नियंत्रण में कथित विफलता या फिर पेट्रोल-डीजल के दामों में उछाल।

राहुल ने हर समय सरकार को आड़े हाथ लिया है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था, साइबर सुरक्षा पर मिलकर काम करेंगे भारत-ऑस्ट्रेलिया

नई दिल्ली।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने साइबर सुरक्षा खतरों को लेकर साझा सहयोग पर बात की। दोनों देशों ने इस दौरान फिर से डिजिटल अर्थव्यवस्था और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में साझा काम करने पर सहमति जताई। साथ ही साइबर सुरक्षा से जुड़े कानून व रणनीतियां आपस में साझा कीं। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच साइबर सुरक्षा सहयोग पर गठित संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की यह पहली बैठक थी। इस वर्चुअल बैठक के दौरान साइबर व साइबर सक्षम अहम प्रौद्योगिकी सहयोग पर फ्रेमवर्क व्यवस्था के तहत चिह्नित जटिल व उभरती हुई तकनीकों पर भी बात की गई। दोनों देशों ने माना कि अहम बुनियादी सूचना ढांचे के साथ ही 5जी प्रौद्योगिकी और इंटरनेट से जुड़े उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद अहम है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, दोनों देशों ने बैठक में माना कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलियाई पीएम स्कॉट मॉरिसन के बीच पिछले साल 4 जून को लीडर्स वर्चुअल समिट के दौरान हुई मुलाकात के बाद द्विपक्षीय संबंधों में तेजी से उभार आया है। जेडब्ल्यूजी की बैठक के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय की निदेशक (ओशिनिया) पॉलोमी त्रिपाठी ने संभाला तो ऑस्ट्रेलियाई दल की कमान वहां के विदेश मामले व व्यापार विभाग के विशेष सलाहकार (साइबर मामले व अहम तकनीक) रचेल जेम्स संभाल रहे थे।

महंगाई और तेल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, राहुल-प्रियंका नदारद

नई दिल्ली।

देश में लगातार बढ़ रही डीजल-पेट्रोल की कीमतों और महंगाई के खिलाफ कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ हल्लाबोला है। आज पूरे देश में कांग्रेस कार्यकर्ता पेट्रोल पंपों पर बढ़े दामों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि इस प्रदर्शन से पार्टी आलाकमान दूरी बनाए हुए हैं। इस विरोध प्रदर्शन में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी शामिल नहीं हो रहे हैं। वहीं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट राजस्थान में विरोध प्रदर्शन में हिस्सा ले रहे हैं। इसके अलावा कई और वरिष्ठ नेता भी अलग-अलग शहरों में प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे हैं। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी आक्रोश दिवस के रूप में इस प्रदर्शन को मना रही है। दिल्ली कमेटी के कार्यकर्ता हाथों में बैनर लेकर सड़कों पर पैदल मार्च निकाल रहे हैं। कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने केंद्र की गलत नीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। सरकार पर जमकर निशाना साधा।

- सरकार पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लें- कांग्रेस

दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि जब यूपीए सत्ता में थी, तब पेट्रोल और डीजल पर टैक्स 9.20 रुपये था और अब मोदी सरकार में यह 32 रुपये हो गया। हम सरकार से पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी वापस लेने की मांग करते हैं। साथ ही पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने का आग्रह करते हैं। गौरतलब है कि 11 जून को पार्टी के तमाम बड़े नेता अलग-अलग शहरों में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पार्टी ने बताया कि उनके इस अभियान के तहत देशभर में विरोध प्रदर्शन और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की जा रही है। इनमें केंद्र सरकार की गलत नीतियों से लोगों को आज पेट्रोल डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं। कांग्रेस के मुताबिक तेल की बढ़ी कीमतों और महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है।

भारी बारिश से मुंबई के कई इलाकों में भरा पानी, बिहार-बंगाल में 12 जून से बरसेंगे बादल

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम मानसून उत्तर-पूर्वी राज्यों में सक्रिय हो चुका है। ओडिशा- पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान के कई जिलों में अगले दो दिनों में भारी बारिश का अनुमान है। वहीं मुंबई में बीते दिनों से हो रही बारिश से जनजीवन ठप हो गया। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में लगातार हो रही बारिश से रफ्तार थम गई है। भारी बारिश के चलते मुंबई की लाइफ लाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेनों की भी सेवाएं बाधित हो गई हैं। जगह-जगह ट्रैक पानी में डूब गया है। शहर के कई इलाकों में पानी भर गया है। बारिश का यह सिलसिला मुंबई और आसपास सटे शहरों के कुछ इलाकों में दिखा, तो कुछ जगह रुक-रुककर बारिश हो रही थी। मानसून की पहली बारिश से मुंबई बेहाल हो गई। लगातार हो रही बारिश के बाद सड़कों पर पानी भर गया। मुंबई के अंधेरी, माहिम समेते कई निचले इलाकों में सड़कों और अंडरपास पर पानी भर गया है। आवाजाही में काफी कठिनाइयां हो रही है। इस बीच मौसम विभाग ने मुंबई में हाईटाइड को लेकर चेतावनी जारी की है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शुक्रवार को देश के कई क्षेत्रों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग की मानें तो बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। जिससे शुक्रवार और शनिवार को बंगाल, ओडिशा, झारखंड, बिहार समेत मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भारी से भारी बारिश होगी। बिहार में तय समय से 2 दिन पहले यानी 13 जून तक मानसून आ सकता है। यानी बिहार में 2 दिन पहले ही इस बार मानसून पहुंच जाएगा। बारिश के साथ-साथ तेज हवाएं भी चलेंगी और 3 से 32 मिमी तक बारिश होने की संभावना है।

देश में अब तक 2 लाख से ज्यादा मौतें, औसतन रोजाना 2000 की गई जान

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने भारत में जमकर कहर मचाया है। इस साल 1 मार्च से अब तक कोरोना संक्रमण के कारण दो लाख से अधिक मौतें हो चुकी हैं। 2020 में महामारी के शुरू होने के बाद से हर पांच में से तीन मौतें कोरोना वायरस के कारण हुई हैं। भारत में इस साल 1 मार्च यानी कोरोना की दूसरी लहर शुरू होने के बाद से रोजाना औसतन करीब 2000 लोगों की इस वायरस से जान गई है। कोरोना की दूसरी लहर में मृत्युदर बहुत अधिक रही है। पहली लहर के बाद से अब तक भारत में कुल 3,63,029 लोगों की मौत हुई है। वैश्विक रूप से सिर्फ ब्राजील में 102 दिनों के दौरान 2.25 लाख मौतें कोरोना वायरस से हुई हैं। जबकि अमेरिका में 1 मार्च से अब तक 82,738 मौतें हुई हैं। यहां अब तक कुल 6.1 लाख लोगों की जान कोरोना वायरस से जा चुकी है जो कि विश्व में सबसे अधिक है। हालांकि भारत में पिछले तीन हफ्ते से दैनिक मामलों में लगातार गिरावट आ रही है। कुल मौतों के आंकड़ों में सुधार भी किया गया जिसमें महाराष्ट्र में 11,583, बिहार में 3951 और उत्तराखंड में 779 मौतें शामिल हैं। पिछले दो दिनों में ही 5873 मौतें जोड़ी गई हैं जिनमें से बिहार में 3951 और महाराष्ट्र से हैं। बिहार के नए आंकड़ों के चलते ही देश में बुधवार को कुल मौतों का आंकड़ा 6 हजार पार कर गया था। विशेषज्ञों ने मौत के सही आंकड़े उपलब्ध कराने का स्वागत भी किया और कहा कि इससे सटीक जानकारी मिलने में मदद होगी।

राशन की होम डिलीवरी

दिल्ली में राशन की होम डिलीवरी के पीछे भ्रष्टाचार का बड़ा खेल : प्रसाद

नई दिल्ली।

दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच राशन की होम डिलीवरी को लेकर तकरार जारी है। केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मोरोना संकट के दौर में पीड़ा से कराह रहे लोगों तक आक्सीजन और दवा नहीं पहुंचा सके, लेकिन हर घर राशन पहुंचाने की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि हर घर अन्न पहुंचाने की बात एक जुमला है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली सरकार राशन माफियाओं के नियंत्रण में है। देश के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने वन नेशन वन राशन कार्ड लागू कर दिया है। सिर्फ तीन प्रदेशों असम, पश्चिम बंगाल और दिल्ली ने इसे लागू नहीं किया है। अरविंद केजरीवाल आपने दिल्ली में वन नेशन वन राशन कार्ड लागू क्यों नहीं किया, इससे आपको क्या परेशानी है, यह बात आपको बतानी चाहिए।

रविशंकर प्रसाद ने केजरीवाल सरकार निशाना साधते हुए कहा कि होम डिलीवरी देखने-सुनने में अच्छी लगती है, लेकिन इसके थोड़ा अंदर जाओ तो इसमें स्कैम के कितने गोते लगेंगे कि इसकी सच्चाई सामने आ जाएगी। आप अपना प्रस्ताव भेजें या भारत सरकार से जो अनाज जाता है, उसी पर खेल खेलेंगे। दिल्ली की राशन की दुकानों में अप्रैल 2018 से अब तक पीओएस मशीन का प्रमाणीकरण शुरु क्यों नहीं हुआ? अरविंद केजरीवाल जी एससी-एसटी वर्ग की चिंता नहीं करते हैं, प्रवासी मजदूरों की चिंता भी नहीं करते, गरीबों की पात्रता की भी चिंता नहीं करते।

रविशंकर प्रसाद ने कहा भारत सरकार देश भर में 2 रुपए प्रति किलो गेहूं, 3 रुपए प्रति किलो चावल देती है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत पिछले साल की तरह इस बार भी नवंबर तक गरीबों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। चावल का खर्चा 37 रुपए प्रति किलो होता है और गेहूं का 27 रुपये प्रति किलो होता है। भारत सरकार सब्सिडी देकर प्रदेशों को राशन की दुकानों के माध्यम से बांटने के लिए अनाज देती है। भारत सरकार सालाना करीब 2 लाख करोड़ रुपए इसमें खर्च करती है। वन नेशन, वन राशन कार्ड भारत सरकार द्वारा बहुत महत्वपूर्ण योजना शुरू की गई है। देश के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना चल रही है। अभी तक इस पर 28 करोड़ पोर्टेबल ट्रांजेक्शन हुए हैं।

2024 तक पूरा होगा रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण

तीन तरह के पत्थरों से बढ़ेगी मंदिर की सुंदरता

अयोध्या।

धर्म नगरी अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का कार्य 2024 तक पूरा हो जाएगा। नींव भराने का काम तेजी से चल रहा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के मुताबिक, राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण में 3 तरह के अलग-अलग पत्थरों का प्रयोग होगा। राय ने बताया कि प्लिंथ का निर्माण मिर्जापुर के 4 लाख क्यूबिक पत्थरों से होगा। गर्भगृह में वंशीपहाड़पुर के लाल पत्थर का इस्तेमाल होगा। परकोटा निर्माण में हम अलग तरह के पत्थर लगाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि देश में पत्थरों की कई खदानें हैं, जहां विभिन्न प्रकार के क्वालिटी वाले पत्थर हैं। ऐसी खदानों से संपर्क किया जा रहा है। मंदिर परिसर के 5 एकड़ में परकोटा का निर्माण होना है। इस परकोटा निर्माण में विशेष पत्थर लगाने की योजना है। इससे मंदिर परिसर की भव्यता बढ़ेगी।अभी नींव भरने का काम हो रहा है, अब तक छह लेयर डाली जा चुकी है। बीच-बीच में बारिश होने से काम बाधित हो रहा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव ने कहा कि 2024 तक मंदिर निर्माण का कार्य पूरा करने का लक्ष्य है। चंपत राय ने बताया कि राममंदिर निर्माण का 70 प्रतिशत काम बड़ी-बड़ी मशीनों के जरिए हो रहा है। इसकारण राम मंदिर निर्माण में श्रमदान की जरूरत ही नहीं है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक 13 और 14 जून को अपराह्न 3 बजे से सर्किट हाउस (फैजाबाद) में होगी। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र 12 जून की देर शाम तक अयोध्या पहुंच जाएंगे। वे दो दिनों तक अयोध्या में रहकर मंदिर निर्माण की प्रगति की समीक्षा करने के साथ-साथ भावी योजनाओं पर मंथन करने वाले है।

टीकाकरण से जुड़ी झिझक दूर करने के लिए राज्यों के साथ मिलकर काम करेगा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों में टीकाकरण को लेकर झिझक दूर करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ मिलकर काम कर रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार 16 जनवरी से ही टीकाकरण के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रयास का समर्थन संपूर्ण सरकार की पहल के तहत कर रही है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि मीडिया में खबरें हैं कि ग्रामीण इलाकों के स्वास्थ्य कर्मियों में टीकाकरण को लेकर कथित 'झिझक' है। बयान के मुताबिक टीकाकरण को लेकर झिझक वैश्विक स्तर पर व्याप्त परिपाटी है और इसका निदान वैज्ञानिक अध्ययनों और सामुदायिक स्तर पर होना चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए 'कोविड-19 टीकाकरण संवाद रणनीति' में टीका लगवाने को लेकर झिझक के पक्ष को भी कोविड-19 टीकाकरण अभियान की शुरुआत में ही सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से साझा किया गया। यह रणनीति सभी राज्यों के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निदेशकों के साथ 25 जनवरी को साझा किया गया। मंत्रालय ने बताया कि वह इस संबंध में केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय के साथ भी मिलकर काम कर रहा है।

लोकतंत्र में सत्ता में बैठे लोगों की आलोचना करना लोगों का अधिकारः उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर । नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा लोकतंत्र में सत्ता में बैठे लोगों की आलोचना की करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। अब्दुल्ला का बयान एक भाजपा नेता की शिकायत पर लक्षद्वीप पुलिस द्वारा फिल्मकार आयशा सुल्ताना के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज करने के बाद आया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है, कि सुल्ताना ने टीवी परिचर्चा के दौरान केन्द्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में कोविड-19 के फैलने को लेकर झूठी खबर फैलाई। अब्दुल्ला ने ट्वीट किया, पटेल (लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल्ल पटेल) की आलोचना राजद्रोह के समान नहीं है। लोकतंत्र में, सत्ता में बैठे लोगों की आलोचना करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। आलोचना बर्दाश्त नहीं करने वाले नेताओं को पुरातन कानून के पीछे छिपना बंद करना चाहिये। लक्षद्वीप में प्रशासन द्वारा कुछ सुधारवादी कदम उठाए जाने के बाद से विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से विरोध किया जा रहा है।

नुसरत जहां को लेकर पति निखिल का बड़ा दावा

नई दिल्ली ।

तृणमूल सांसद और अभिनेत्री नुसरत जहां अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पिछले साल उन्होंने पति निखिल जैन पर गंभीर आरोप लगाते हुए खुलासा किया था कि दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। तब उन्होंने कहा था कि तुर्की में हुई उनकी शादी देश में अमान्य है, इसलिए तलाक लेने का सवाल ही नहीं उठता। लेकिन अब निखिल जैन ने शादीशुदा जीवन, खुद और परिवार पर लगाए गए नुसरत जहां के आरोपों पर बयान जारी किया है। करीब एक पेज के इस बयान में उन्होंने कहा कि विवाद के कुछ दिन बाद ही नुसरत का रुख बदल गया और वह देश में शादी रजिस्टर कराने से हमेशा मना करती रहीं। निखिल ने लिखा-%मैंने नुसरत को पूरे दिल से खुशी के साथ अपनाया, वर्ष 2019 में तुर्की में शादी करने के बाद कोलकाता में रिसेप्शन दिया था, हम दोनों पति-पत्नी की तरह रहे और समाज को इसी रूप में अपना परिचय दिया।% वह आगे कहते हैं कि मैंने नुसरत के लिए बिना किसी लालच के सब कुछ किया। लेकिन विवाह के कुछ समय बाद मेरे प्रति नुसरत के व्यवहार में बदलाव आने शुरू हो गए, वह 5 नवंबर 2020 को अपना बैग और सामान लेकर अलग फ्लैट में शिफ्ट हो गईं,उसके बाद से हम दोनों साथ नहीं रहे। नुसरत ने निखिल पर आरोप लगाया है कि वह अलग होने के बाद भी गैर कानूनी तरीके से उनके बैंक अकाउंट से पैसे निकालते रहे। नुसरत ने कहा है कि उन्होंने बैंक वालों से बात कर ली है और पुलिस में इसकी शिकायत करेंगी। उन्होंने कहा-निखिल ने बगैर मेरी अनुमति के मेरे पैसों के साथ हेराफेरी की है, जल्द ही इसका सबूत दूंगी। नुसरत ने बताया कि निखिल ने उनके माता-पिता और रिश्तेदारों की तरफ से दी गई ज्वैलरी अपने कब्जे में रखी है। सोशल मीडिया पर सक्रिय नुसरत ने अपनी शादी की तस्वीरों को डिलीट कर दिया है।

भारत बायोटेक को अमेरिका में अभी और करना होगा इंतजार

नई दिल्ली ।

कोरोना के खिलाफ जंग में कोवैक्सीन टीका बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक के लिए अच्छी खबर नहीं है। अमेरिका में भारत बायोटेक की कोवैक्सीन के इमरजेंसी यूज को मंजूरी नहीं मिली है। अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन यानी एफडीए ने भारत बायोटेक की कोविड वैक्सीन के आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण (ईयूए) के आवेदन को खारिज कर दिया है, जिससे अमेरिका में कंपनी को वैक्सीन लॉन्च में देरी हो रही है। बता दें कि बीते दिनों भारत बायोटेक की कोवैक्सीन के लिए अमेरिकी साझेदार ओक्यूजेन ने अमेरिकी दवा नियामक एफडीए के पास मास्टर फाइल भेजकर इस टीके के आपातकालीन इस्तेमाल की इजाजत मांगी थी।

इधर, भारत बायोटेक के अमेरिकी पार्टनर ओक्यूजेन ने गुरुवार को कहा कि कंपनी अब कोवैक्सिन की पूरी मंजूरी मांगेगी। दरअसल, यूएस एफडीए कंपनी को एक अतिरिक्त परीक्षण शुरू करने के लिए कह रहा है, ताकि कंपनी एक बायोलॉजिक्स लाइसेंस आवेदन (बीएलए) के लिए फाइल कर सके, जो कि एक पूर्ण मंजूरी है। अपने एक बयान में ऑक्यूजेन ने कहा कि एफडीए की यह प्रतिक्रिया ऑक्यूजेन की उस मास्टर फाइल को लेकर थी, जिसे कंपनी ने बीते दिनों जमा किया था। एफडीए ने सिफारिश की थी कि ऑक्यूजेन अपनी वैक्सीन के लिए इमरजेंसी यूज ऑथोराइजेशन आवेदन के बजाय सबमिशन पर फोकस करे। साथ ही नियामक ने वैक्सीन के संबंध में अतिरिक्त जानकारी और डेटा का अनुरोध किया है। उन्होंने आगे कहा कि कंपनी अपनी वैक्सीन के आवेदन को मंजूरी देने के लिए आवश्यक अतिरिक्त दस्तावेजों को लेकर एफडीए के साथ चर्चा कर रही है। ऑक्यूजेन के मुख्य कार्यकारी शंकर मुसुनीरी ने कहा कि भले ही इससे वैक्सीन लाने में देरी होगी, मगर हम अमेरिका में कोवैक्सीन लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बता दें कि ऑक्यूजेन ने एफडीए के पास समीक्षा के लिए प्रीक्लिनिकल अध्ययन, रसायन, विनिर्माण और नियंत्रण (सीएमसी) और क्लिनिकल अध्ययन के नतीजों को मास्टर फाइल के रूप में भेजा था। बता दें कि कोवैक्सीन को लेकर यह डेवलपमेंट ऐसे समय में आई है, जब भारत बायोटेक भारत के टीकाकरण कार्यक्रम में कंपनी के टीके को शामिल किए जाने के लगभग छह महीने बाद अपने तीसरे चरण के क्लिनिकल ट्रायल के डेटा साझा नहीं करने के लिए भारत में आलोचना का शिकार हो रहा है।

देश के इन इलाकों में होने वाली बारिश बिहार-झारखंड में कब पहुंचेगा मॉनसून

मुम्बई।

केरल और मुंबई के बाद अब मॉनसून बंगाल, झारखंड से लेकर बिहार तक में दस्तक देने को तैयार है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दक्षिण पश्चिम मानूसून अच्छी गति से आगे बढ़ रहा है और अगले दो दिन में पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड के सभी इलाकों तक यह पहुंच जाएगा। माना जा रहा है कि अगले एक- दो दिनों में इन इलाकों में तेज बारिश हो सकती है, क्योंकि परिस्थितियां अभी से ही अनुकूल बनी हुई हैं। मौसम विभाग के अनुसार, मॉनसून दक्षिण गुजरात के कुछ और इलाकों, महाराष्ट्र के बचे हुए इलाकों, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, दक्षिण मध्यप्रदेश के कुछ हिस्सों, छत्तीसगढ़ और दक्षिण गुजरात भी पहुंच गया है। विभाग ने बताया, गुजरात के कुछ और हिस्सों, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ के बाकी बचे इलाकों, पूरे पश्चिम बंगाल और झारखंड, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों और उत्तरी बंगाल की खाड़ी में मॉनसून के अगले 48 घंटे में पहुंचने की अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई है। मॉनसून के बादलों का रुख सूबे की ओर बढ़ रहा है। मौसम की परिस्थितियों के अनुसार अगले 24 से 36 घंटों में मॉनसून का प्रवेश प्रदेश में सुनिश्चित है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार, सूबे में बारिश की स्थिति का आकलन जारी है। शुक्रवार की बारिश की स्थिति अगर मॉनसून के आगमन के मानक के अनुकूल पाई गई तो बिहार में इसके आगमन की औपचारिक घोषणा कर दी जाएगी। शनिवार तक तो निश्चित रूप से इसके सूबे में प्रवेश और आंशिक प्रसार के आसार हैं। मॉनसून के आगमन के बाद राज्य के कई हिस्सों में गरज के साथ बारिश की चेतावनी जारी की गई है। राज्य में 14 जून तक येलो अलर्ट जारी किया गया है। अगले 24 से 48 घंटों में तीव्र वज्रपात की परिस्थितियां बनी रहेंगी। कुछ जगहों पर भारी तो कई जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है। गौरतलब है कि सूबे में मॉनसून के पहुंचने का मानक समय 13 जून है। यह पूर्णिया के रास्ते सूबे में प्रवेश करता है। इस बार इसके समय से पूर्व आगमन की परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल हैं बंगाल की खाड़ी की ओर बना चक्रवाती परिसंचरण कम दबाव के क्षेत्र में तब्दील होने को है। यह पश्चिमोत्तर बंगाल की ओर अगले 24 घंटों में प्रसार पाएगा। इसके बाद के 24 घंटों में पश्चिम उत्तर क्षेत्र की ओर बढ़ेगा। इसके अलावा एक ट्रफ रेखा पूर्वी उत्तरप्रदेश से बिहार और गांगेय पश्चिम बंगाल से होकर बंगाल की पूर्वोतर खाड़ी की ओर फैली हुई थी। वह अब एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में दक्षिण उत्तरप्रदेश की ओर स्थित है।

देश पर आई आपदा के निवारण के लिए जन कल्याण की अटल भावना के साथ, तमिलनाडु कृष्णागिरी में सदी के सबसे बड़े महायज्ञ का आयोजन

पिछले एक वर्ष से अपना देश घोर विपत्तियों का सामना कर रहा है और अब इन विपत्तियों ने विकराल रूप धारण कर लिया है। इनसे मुक्ति के लिए सरकार से लेकर आम जनता सभी लोग प्रयास कर रहे है। हम सभी चाहते है कि देश समृद्ध, सुरक्षित और स्वस्थ बने, देश के वातावरण में फैली अशुद्धियाँ समाप्त हो और भारतवासी शांति से अपना जीवन-यापन कर सके। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु राष्ट्रसंत श्री वसंत विजय जी महाराज के पावन सान्निध्य में श्री विश्वशांति एवं महालक्ष्मी कुबेर अर्थ धर्म समृद्धि कलश अनुष्ठान किया जा रहा है।

चेन्नई से 265 किलोमीटर एवं बैंगलोर से 90 किलोमीटर दूरी पर स्थित माँ पद्मावती की दिव्य कृपा एवं ऊर्जा से ओत-प्रोत "श्री पार्श्व पद्मावती शक्तिपीठ तीर्थ धाम" पर 40,000 वर्गफुट के विशाल यज्ञमंडप में 108 प्रकाण्ड पण्डित द्वारा इस महाअनुष्ठान का आयोजन होगा।

आपके जीवन को सुख, समृद्ध, स्वास्थ्य और सुरक्षा से भरने के लिए अति विशाल माँ महालक्ष्मी जी की प्रतिमा के समक्ष पीतल के पान व नारियल युक्त पीतल के बने 6 लीटर के 5000 कुम्भ अभिमंत्रित किए जाएंगे। घर को स्वर्ग बनाने वाले इन दिव्य कलशों को महालक्ष्मी कुबेर मंत्रो से 1 करोड़ कुमकुम पूजन, 10 लाख हवन आहुतियों और 25 लाख धन्वंतरि कुबेर जाप के साथ सिद्ध किया जाएगा।

इन दिव्य कलशों में 170 दुर्लभ औषधियां, विभिन्न इत्तर, नवरत्न, 32 प्रकार के उपरत्न, 32 प्रकार के हीलिंग जेमस्टोन्स और भारत के 106 वैष्णव दिव्य क्षेत्र, जहाँ भगवान श्री नारायण और माँ लक्ष्मी प्रत्यक्ष विराजमान हैं, ऐसे तीर्थों में लक्ष्मी माँ के चरणों में पूजित/अभिमंत्रित अति विशिष्ट कुंकुम को सभी कलशों में भरा जाएगा।

जनभागीदारी से होने वाले इस इस महायज्ञ में लगभग 10 हजार किलो सफेद चन्दन, लाल चन्दन, पीला चन्दन, 50 किलो से अधिक केसर, देवदारु, अगर, तगर, आम्र की लकड़ियाँ, 10 हजार किलो विभिन्न औषधियां और 2 हजार किलो गाय का शुद्ध देसी घी डाला जाएगा।

देश कल्याण के इस महाविधान में महालक्ष्मी माँ की कृपा, पूज्य गुरुदेव श्री का पूर्ण आशीर्वाद प्राप्त करने व अपने सौभाग्य को अतिशीघ्र जगाने के लिए कोई भी व्यक्ति अपनी शक्ति व सामर्थ्य अनुसार हवन सामग्री जैसे की चन्दन की लकड़ियाँ, गाय का घी, केसर, मेवे इत्यादि भेंट कर श्रद्धा समर्पित कर सकता है।

कलश प्राप्ति हेतु 'पहले आएं, पहले पाएं' के आधार पर नि:स्वार्थ भाव से लागत के मूल्य में यह कुम्भ सिर्फ प्रथम आने वाले 5000 शाकाहारी परिवार को ही दिया जाएगा। पूज्य गुरुदेव श्री, माता महालक्ष्मी जी तथा अनेकों देवताओं के आशीर्वाद से अलौकिक ऊर्जामय यह कलश आपके घर को स्वर्ग बना देगा।

इस दुर्लभ, अति दुर्लभ महाअवसर का लाभ तुरंत प्राप्त करने हेतु निम्न संपर्क सूत्र पर संपर्क करें : +91 8877988779, 8770128437

संक्षिप्त समाचार

52 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 60 लाख पेंशनभोगियों को मिल सकती हैं खुशखबरी

नई दिल्ली। कोरोना संकट काल में केंद्रीय कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर आ रही है। महंगाई भत्ता बढ़ने का इंतजार कर रहे लगभग 52 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 60 लाख केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों को जल्दी ही तोहफा मिल सकता है। केंद्रीय कर्मचारियों के डियरनेस अलाउंस और पेंशनर्स को मिलने वाली डियरनेस रिलीफ मामले को लेकर सेंट्रल गवर्नमेंट सर्वेंट्स का प्रतिनिधित्व करने वाली बॉडी नेशनल कार्उंसिल ऑफ की 26 जून को अहम बैठक होने वाली है। इस बैठक की जानकारी नेशनल काउंसिल ऑफ जेसीएम की तरफ से दी गई है। इसकी अध्यक्षता कैबिनेट सेक्रेटरी करने वाले है। जेएमसी के मुताबिक, 26 जून 2021 को वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के अधिकारियों और जेसीएम के प्रतिनिधियों के बीच एक आधिकारिक बैठक होगी। सूत्रों के मुताबिक सम्मेलन की अध्यक्षता भारत के कैबिनेट सचिव करने वाले है। बैठक के एजेंडे के बारे में जेसीएम की राष्ट्रीय परिषद के शिव गोपाल मिश्रा ने जवाब दिया कि बैठक के दौरान केंद्र सरकार के कर्मचारियों और केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों के 7वें सीपीसी डीए और 7वें सीपीसीडीआर लाभों पर चर्चा होगी। बता दें कि पहले यह बैठक 8 मई को होने वाली थी, लेकिन कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण इसे टाल दिया गया था। जेसीएम की राष्ट्रीय परिषद को उम्मीद है कि इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप केंद्र सरकार के कर्मचारियों और सेवानिवृत्त लोगों के लिए कुछ अच्छी खबर होगी। जेसीएम के शिव गोपाल मिश्रा ने कहा है कि जेसीएम ने कैबिनेट सचिव कार्यालय, व्यय विभाग और कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग को सुझाव दिया है, कि यदि केंद्र सरकार एक बार में डीए और डीआर बकाया का भुगतान करने में असमर्थ है,,तब वहां उन्हें किश्तों में भुगतान कर सकते हैं। 26 जून, 2021 को होने वाला सम्मेलन 8 मई को निर्धारित किया गया था, लेकिन दुर्भाग्य से, कोविड -19 के प्रसार के कारण बैठक स्थगित कर दी गई थी।

मुंबई और मंगलुरु सेंट्रल के बीच दैनिक स्पेशल ट्रेन सेवा पुनः बहाल

मुंबई। रेलवे ने मुंबई और मंगलुरु सेंट्रल के बीच दैनिक स्पेशल ट्रेन सेवा को पुनः बहाल करने का निर्णय लिया है। विवरण निम्नानुसार है:- 02619 दैनिक स्पेशल ट्रेन लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई से दिनांक 16.6.2021 से 01.7.2021 तक प्रतिदिन 15.20 बजे रवाना होगी और अगले दिन 10.10 बजे मंगलुरु सेंट्रल पहुंचेगी। 02620 दैनिक स्पेशल ट्रेन मंगलुरु सेंट्रल से दिनांक 15.6.2021 से 30.6.2021 तक प्रतिदिन 12.40 बजे रवाना होगी और अगले दिन 06.35 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस, मुंबई पहुंचेगी। **हाल्ट :** ठाणे, पनवेल,माणगांव (02619 के लिए) खेड (02619 के लिए) चिपलून, रत्नागिरी, कुडाल, मडगांव, कारवार, अंकोला, गोकर्ण रोड, कुमता, होन्नावर, मुर्देश्वर, भटकल, बिंदूर, कुंडापुरा, उडुपी, मुल्की और सुरथकल। **संरचना:** 2 वातानुकूलित -2 टियर, 3 वातानुकूलित -3 टियर, 10 शयनयान श्रेणी और 7 सेकंड सिटिंग। आरक्षण: 02619 दैनिक स्पेशल ट्रेन की बुकिंग विशेष शुल्क पर सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.आईआरसीटीसी.को.इन पर पहले ही प्रारम्भ हो चुकी है। समय और ठहराव की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.इन्क्वारी इंडियनरेल.जीओवी.इन देखें या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें। यात्रियों को बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य स्थल पर कोविड-19 से संबंधित सभी मानदंडों, एसओपी का पालन करने की सलाह दी जाती है।

स्वास्थ्यकर्मियों और फ्रंटलाइन वर्कर्रों को दूसरे डोज पर दें जोर

नई दिल्ली। सबको वैक्सीन देने के चक्कर में कोरोना वायरस की दूसरी खुराक का टीकाकरण पिछड़ रहा है। बृहस्पतिवार को हुई बैठक में राज्यों को काफी सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि 5 महीने बाद भी स्वास्थ्य कर्मचारी और फ्रंटलाइन वर्करों में टीकाकरण पूरा नहीं हो पा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि इस वर्ग के सभी लोगों को टीका देना तो दूर 80त्न तक भी लक्ष्य नहीं पहुंच पा रहा है। बैठक में 18 राज्यों को विशेष हिदायत देते हुए स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि 26 जनवरी से देश में स्वास्थ्य कर्मचारियों को वैक्सीन दी जा रही है। अब तक 82 फीसदी को पहली खुराक मिल चुकी है लेकिन इनमें से केवल 56त्न को ही दूसरी खुराक मिली है। पंजाब, महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और असम सहित 18 राज्यों में यह स्थिति और भी ज्यादा गंभीर है क्योंकि यहां दूसरा टीकाकरण राष्ट्रीय औसत से भी नीचे है। इसी प्रकार 85त्न फ्रंटलाइन वर्करों को अब तक 1 खुराक मिल चुकी है लेकिन दूसरी खुराक से 47त्न को ही मिली है। 19 राज्यों में 47 फीसदी से भी कम यह आंकड़ा है। ऐसी स्थिति इसलिए पैदा हो रही है क्योंकि हम हर किसी को वैक्सीन देने के चक्कर में जिन्हें दूसरी खुराक देनी है, उन पर विचार नहीं कर पा रहे हैं। बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब सहित 19 राज्य में फ्रंटलाइन वर्करों को दूसरी खुराक देने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

जनता और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होनी जरूरीः रेलमंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली । भारत और मुंबई में रेलवे को मानसून के लिए पूरी तरह से तैयार रहने की जरूरत है। यह बात बारिश के मौसम में सभी आपातकालीन उपाय उपलब्ध होने के बारे में मुंबई उपनगरीय रेलवे की तैयारियों और रोड मैप की समीक्षा करते हुए रेल, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री और उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने कही। पीयूष गोयल ने संवेदनशील इलाकों की मौजूदा स्थिति की जांच की और ट्रेनों के निर्बाध संचालन संबंधी योजनाओं की समीक्षा की। गोयल ने कहा कि रेलवे यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि मानसून शुरू होने के साथ मुंबईवासियों को कोई असुविधा न हो।रेल मंत्री ने रेलवे को मानसूनी बारिश से निपटने में रेलवे की तकनीकी और सिविल कार्यों से जुड़ी पहल की कुशलता का अध्ययन करने के लिए आईआईटी मुंबई जैसे संस्थानों के साथ साझेदारी करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि रेल सेवाओं का निर्बाध तरीके से और लगातार सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने के लिए नवाचार और कठिन परिश्रम साथ-साथ चलने चाहिए। यह उल्लेखनीय है कि कोविड महामारी के दौरान भी, रेलवे ने मुंबई में विशेष रूप से संशोधित ईएमयू रेक सहित 3 नो मक स्पेशल लगा करके उपनगरीय खंड से 2,10,000 घन मीटर मलवा/कचरा/मिट्टी को साफ करने का काम किया है।

सार समाचार

पाक के बलूचिस्तान प्रांत में भीषण सड़क हादसा, 18 की मौत, 30 घायले

कराची। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में तेज गति से जा रही एक बस के पलटने से 18 लोगों की मौत हो गयी और 30 लोग घायल हो गए। 'जियो न्यूज' के मुताबिक, बस वाध से दादू की तरफ जा रही थी और यह घटना प्रांत के खुजदार जिले के खोरी में हुई। मौके पर ही 15 लोगों की मौत हो गयी। घटना के बाद बचाव कर्मी घटना स्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। घायलों को टीचिंग हॉस्पिटल खुजदार ले जाया गया जहां तीन और लोगों की मौत हो गयी। घायलों में कुछ लोगों की हालत गंभीर है। यात्री बस के तेज गति से चलने के दौरान ड्राइवर का वाहन पर संतुलन नहीं रहा और इस कारण यह हादसा हुआ।

फेसबुक और टेलीग्राम ऐप पर रूस ने लगाया बड़ा जुर्माना

मॉस्को। रूस के अधिकारियों ने प्रतिबंधित सामग्री हटाने में कथित तौर पर विफलता के चलते फेसबुक और टेलीग्राम एप पर जुर्माना लगाया है। इस कदम को देश में राजनीतिक असंतोष के बीच सोशल मीडिया मंचों को नियंत्रित करने के सरकार के बढ़ते प्रयासों का हिस्सा माना जा सकता है। मॉस्को की अदालत ने बृहस्पतिवार को फेसबुक पर 1.7 करोड़ रूबल और टेलीग्राम पर एक करोड़ रूबल का जुर्माना लगाया। दोनों मंच किस प्रकार की सामग्री को हटाने में असमर्थ रहे, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। हाल के हफ्तों में दोनों मंचों पर दूसरी बार जुर्माना लगाया गया है। इससे पहले 25 मई को रूसी अधिकारियों ने गैरकानूनी समझी जाने वाली सामग्री नहीं हटाने के मामले में फेसबुक पर 2.6 करोड़ रूबल का जुर्माना लगाया गया था। वहीं, एक माह पहले प्रदर्शन का आह्वान करने वाली सामग्री नहीं हटाने के लिए टेलीग्राम पर 50 लाख रूबल का जुर्माना लगाया गया था। इस साल की शुरुआत में, रूस की सरकारी संचार निगरानी संस्था 'रोसकोम्नाडज़ोर' ने ट्विटर को गैरकानूनी सामग्री हटाने में कथित तौर पर विफल रहने के मामले में प्रतिबंध लगाने की धमकी दी थी।

अफगानिस्तान में अभियान पूरा हुआ, सैनिकों को वापस बुलाने पर ध्यान केंद्रित: अमेरिकी रक्षा मंत्री

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि अफगानिस्तान में अमेरिका का अभियान पूरा हो गया है और उनका विभाग देश से ''अपने लोगों और साजो सामान को बाहर निकालने'' पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अप्रैल में एलान किया था कि अफगानिस्तान से इस साल 11 सितंबर तक सभी अमेरिकी सैनिकों को वापस बुला लिया जाएगा। बजट प्रस्ताव पर सुनवाई के दौरान ऑस्टिन ने संसद की सशस्त्र सेवा समिति को बताया कि अमेरिका ने अफगानिस्तान से अपने काफी साजोसामान निकाले हैं। उन्होंने कहा, ''हम अभी काफी कुछ चीजें कर रहे हैं। खुफिया, निगरानी और सैनिक सर्वेक्षण मिशन जीसीसी (खाड़ी सहयोग परिषद) से भेजे जा रहे हैं, हमारे कई युद्धक विमान अभियान खाड़ी से चलाए जा रहे हैं।''

जी-7 नेता कोरोना वायरस रोधी टीकों की एक अरब खुराकें दान करने का संकल्प लेंगे

सेंट आइव्स (इंग्लैंड)। सात राष्ट्रों का समूह जी7 पूरी दुनिया के साथ कोरोना वायरस रोधी टीकों की कम से कम एक अरब खुराकें साझा करने का संकल्प लेगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यह घोषणा की है। इनमें से करीब आधी खुराकें अमेरिका दान देगा जबकि 10 करोड़ खुराकें ब्रिटेन की ओर से दी जाएंगी। जॉनसन ने इंग्लैंड में होने जा रही जी7 समूह के नेताओं की बैठक की पूर्व संध्या पर यह घोषणा की। इससे कुछ घंटे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने 50 करोड़ खुराकें दान देने का संकल्प लिया था और व्यापक एवं तीव्र गति से टीकाकरण करने की खातिर सम्पन्न देशों से समन्वित प्रयास करने को कहा था। जी7 समूह में अमेरिका और ब्रिटेन के अलावा कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान हैं। बाइडन ने कहा था कि शुक्रवार को इस समूह के देश अमेरिका के साथ मिलकर अपने टीका दान करने संबंधी संकल्पों की रूपरेखा बताएंगे। उन्होंने कहा, ''अपने वैश्विक साझेदारों के साथ मिलकर हम इस वैश्विक महामारी से दुनिया को छुटकारा दिलाने के लिए काम करेंगे।''

मंगल की धूल भरी चट्टानी सतह पर दिखा चीन का राष्ट्रीय झंडा रोवर और लैंडर

बीजिंग। चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) ने शुक्रवार को तस्वीरें जारी की जिनमें मंगल ग्रह की धूल भरी चट्टानी सतह और चीन का राष्ट्रीय झंडा लगा चीनी रोवर और लैंडर नजर आ रहे हैं। सीएनएसए ने मंगल ग्रह की चार तस्वीरें जारी की हैं जिनमें झूरोंग रोवर का ऊपरी हिस्सा नजर आ रहा है और अपने प्लेटफॉर्म से बाहर निकलने से पहले के रोवर के दृश्य नजर आ रहे हैं। सीएनएसए ने एक बयान में कहा कि झूरोंग जिस जगह सतह पर उतरा था, वहां से करीब 10 मीटर की दूरी पर उसने एक रिमोट कैमरा लगाया था और फिर उसने कई तस्वीरें लीं। चीन ने पिछले महीने मंगल की सतह पर रोवर के साथ तियानवेन-1 अंतरिक्ष यान को उतारा था। इससे पहले यान करीब तीन महीने मंगल की कक्षा में था। अमेरिका के बाद मंगल की सतह पर अंतरिक्ष यान भेजने वाला चीन दूसरा देश है।

जानिए कुलभूषण जाधव को बचाने के पाक ने नए कानून पर क्यों हो रहा इतना हंगामा?

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान की सरकार ने सजायाफ्ता भारतीय कैदी कुलभूषण जाधव को अपील का अधिकार देने के लिए विपक्ष के हंगामे और बहिष्कार के बीच नेशनल असेंबली में एक विधेयक पारित कराया है। संसद के निचले सदन ने अंतरराष्ट्रीय न्याय अदालत (समीक्षा एवं पुनर्विचार) विधेयक, 2020 को बृहस्पतिवार को पारित किया। विधेयक का लक्ष्य कथित भारतीय जासूस जाधव को अंतरराष्ट्रीय न्याय अदालत (आईसीजे) के फैसले के अनुरूप राजनयिक पहुंच उपलब्ध कराना है। भारतीय नौसेना के सेवानिवृत्त अधिकारी, 51 वर्षीय जाधव को पाकिस्तान की सैन्य अदालत ने जासूसी एवं आतंकवाद के आरोपों में अप्रैल 2017 में दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई थी। भारत ने जाधव को राजनयिक पहुंच न देने और मौत की सजा को चुनौती देने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ आईसीजे का रुख किया था।

द हेग स्थित आईसीजे ने जुलाई 2019 में फैसला दिया कि पाकिस्तान को जाधव को दोषी ठहराने और सजा सुनाने संबंधी फैसले की ''प्रभावी समीक्षा एवं पुनर्विचार÷ करना चाहिए और बिना किसी देरी के भारत को जाधव के लिए राजनयिक पहुंच उपलब्ध कराने देने का भी अवसर देना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने अपने 2019 के फैसले में पाकिस्तान को, जाधव को दी गई सजा के खिलाफ अपील करने के लिए उचित मंच उपलब्ध कराने को कहा था। नेशनल असेंबली ने विधेयकों के पर्याप्त अध्ययन की मांग को लेकर विपक्षी सांसदों के विरोधों को दरकिनार करते हुए बृहस्पतिवार की शाम इस विधेयक समेत 21 अन्य विधेयक भी पारित किए। सरकार ने 21 विधेयकों को एक ही बैठक में पारित कराने के लिए विधेयक संबंधी काम-काज के नियमों को स्थगित कर दिया।

विधेयक पारित होने के बाद, कानून मंत्री फरोग नसीम ने कहा कि अगर उन्होंने विधेयक पारित नहीं किया होता तो भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद चला जाता और आईसीजे में पाकिस्तान के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू कर देता। नसीम ने कहा कि विधेयक आईसीजे के फैसले के मद्देनजर पारित किया गया है। उन्होंने कहा कि विधेयक पारित कर उन्होंने दुनिया को साबित कर दिया कि पाकिस्तान एक 'जिम्मेदार राष्ट्र' है। नेशनल असेंबली ने चुनाव (सुधार) विधेयक समेत 20 अन्य विधेयक भी पारित किए। विपक्षी सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया और तीन बार कोरम (कार्यवाही के दौरान उपस्थित सदस्यों की तय से कम संख्या) की कमी की ओर इशारा किया लेकिन हर बार सदन के अध्यक्ष ने सदन में पर्याप्त संख्या घोषित की और काम-काज जारी रखा जिस पर विपक्ष ने भारी हंगामा किया। विपक्षी सदस्य अध्यक्ष के आसन के सामने आ गए और नारेबाजी की। सरकार के कदम की आलोचना करते हुए पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन)के सांसद एहसान इकबाल ने कहा कि जाधव को राहत देने के लिए विधेयक को भारी विधायी एजेंडा में शामिल किया गया।

इकबाल ने कहा कि यह व्यक्ति विशेष विधेयक था और जाधव का नाम विधेयक के उद्देश्यों और कारणों के विवरण में शामिल था। उन्होंने कहा कि जब देश का कानून उच्च न्यायालयों को सैन्य अदालतों द्वारा सुनाई गई सजा की समीक्षा का अधिकार देताहै तो इस विधेयक को लाने की क्या जरूरत थी। जाधव के मामले में आईसीजे के फैसले के तुरंत बाद पिछले साल मई में सरकार ने अध्यादेश लाकर कानून को पहले ही अमल में ला दिया था। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने अध्यक्ष से सदस्यों को विधेयक का अध्ययन करने के लिए कुछ वक्त देने को कहा। उन्होंने, पहले अध्यादेश के माध्यम से विधेयक लाने और फिर विधेयक पारित कर जाधव को राहत देने के

लिए सरकार की आलोचना की। कानून मंत्री नसीम ने कहा कि वह विपक्ष का आचरण देख कर स्तब्ध रह गए और ऐसा लगता है कि विपक्ष ने आईसीजे का फैसला नहीं पढ़ा। तकनीकी या कानूनी दृष्टि से, विधेयक के पारित होने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि सरकार आईसीजे के फैसले को लागू करने के लिए मई 2020 में पहले ही विशेष अध्यादेश ला चुकी है। नेशनल असेंबली में विधेयक पारित होना कानून को अंतिम रूप देने की दिशा में महज एक कदम है। इसे अब सीनेट में प्रस्तुत किया जाएगा और अगर ऊपरी सदन बिना किसी संशोधन के इसे पारित करता है तो इसे मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। अगर सीनेट संशोधन के साथ इसे पारित करती है तो यह बदलावों के साथ पारित होने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि सरकार आईसीजे के फैसले को लागू करने के लिए मई 2020 में पहले ही विशेष अध्यादेश ला चुकी है। नेशनल असेंबली में विधेयक पारित होना कानून को अंतिम रूप देने की दिशा में महज एक कदम है। इसे

ब्रिटेन की महारानी से मुलाकात करने वाले 13वें अमेरिकी राष्ट्रपति होंगे जो बाइडेन

लंदन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन दक्षिणपश्चिम इंग्लैंड में जी7 समूह के नेताओं के शिखर सम्मेलन के बाद रविवार को शाही परिवार के आवास विंडसर कैसल में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय से मुलाकात करने वाले हैं। 95 वर्षीय महारानी से मुलाकात करने वाले वह अमेरिका के 13वें राष्ट्रपति हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि इससे पहले बाइडन ने 1982 में उनसे मुलाकात की थी, उस समय वह सीनेटर थे। महारानी और बाइडन की मुलाकात से पहले जी7 नेता शुक्रवार को आयोजित एक समारोह में शरीक होंगे जिसमें महारानी, उनके बेटे प्रिंस चार्ल्स तथा उनकी पत्नी कैमिला, चार्ल्स के बेटे प्रिंस विलियम तथा उनकी पत्नी कैट भी मौजूद रहेंगे। महारानी ने अपने करीब 70 साल के शासन में, ड्वाइट आइजनहॉवर से लेकर सभी अमेरिकी राष्ट्रपतियों से मुलाकात की है।

लिंडन जॉनसन अपने कार्यकाल में ब्रिटेन नहीं आए इसलिए उनकी मुलाकात महारानी से नहीं हुई। महारानी 1951 में वाशिंगटन आई थीं, तब वह 25 वर्ष की थीं। वह राष्ट्रपति हैरी

एस. ट्रूमैन और उनके परिवार के साथ ब्लेयर हाउस में ठहरी थीं क्योंकि तब व्हाइट हाउस में मरम्मत कार्य चल रहा था और राष्ट्रपति अपने परिवार के साथ ब्लेयर हाउस में ही रह रहे थे। अमेरिकी नेताओं से उनके व्यक्तिगत संबंध ब्रिटेन तथा स्वयं महारानी के लिए अमेरिका के महत्व को रेखांकित करते हैं। 'क्वीन ऑफ दी वर्ल्ड' के लेखक रॉबर्ट हार्डमैन ने बताया कि द्वितीय विश्व युद्ध के समय तक वह ब्रिटेन के आधुनिक इतिहास में एटलांटिक पार गठबंधन की मुख्य भूमिका से अवगत हो चुकी थीं। उन्होंने एपी को बताया, ''वह इस तरह की सोच के साथ बड़ी हुईं कि अमेरिका एक तरह से रक्षक है जिसने युद्ध के अंधकारमय दिनों में यूरोप को बचाया।'' पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जुलाई 2018 में विंडसर कैसल में महारानी से मुलाकात की थी हालांकि तब लंदन में उनके विरोध में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे। महारानी के समक्ष प्रोटोकॉल तोड़ने के लिए भी ट्रंप की आलोचना हुई थी।

भारत और कुवैत का सहमति पत्र पर हस्ताक्षर, घरेलू कामगारों की भर्ती में मिलेगा सहयोग

कुवैत सिटी। (एजेंसी)।

भारत और कुवैत ने एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत भारतीय घरेलू कामगारों को एक कानूनी ढांचे के दायरे में लाकर उनकी भर्ती को सुव्यवस्थित करते हुए कानून का संरक्षण प्रदान किया जाएगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर और कुवैत के उनके समकक्ष शेख अहमद नसर अल-मोहम्मद अल-सबा की मौजूदगी में बृहस्पतिवार को भारतीय राजदूत सिबी जॉर्ज और कुवैत के उप विदेश मंत्री ने इस सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किये। जयशंकर बृहस्पतिवार को तेल समृद्ध खाड़ी देश कुवैत की पहली द्विपक्षीय यात्रा पर यहां आए थे। यहां भारतीय दूतावास द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। सहमति पत्र में कहा गया है कि भारतीय घरेलू कामगारों को एक कानूनी ढांचे के दायरे में लाकर उनकी भर्ती को सुव्यवस्थित करते हुए कानून का संरक्षण प्रदान किया जाएगा। दोनों मंत्रियों ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किये जाने का स्वागत किया, जिसके तहत नियोक्ता और घरेलू कामगारों दोनों के अधिकारों व दायित्वों को सुनिश्चित करते हुए रोजगार अनुबंध पेश किया जाएगा। सहमति पत्र के अनुसार घरेलू

कामगारों की 24 घंटे सहायता के लिए एक तंत्र स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। इसमें आवधिक समीक्षा और मूल्यांकन के लिए एक संयुक्त समिति के गठन की बात कही गई है, जो सहमति पत्र के कार्यान्वयन को लेकर वार्षिक बैठकें आयोजित करेगी। कुवैत में 10 लाख से ज्यादा भारतीय रहते हैं। भारत कुवैत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है और कुवैत भारत के लिए तेल का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। जयशंकर ने बृहस्पितवार को कुवैत प्रधानमंत्री शेख सबा खालिद अल-हमाद अल-सबा से मुलाकात की। उस दौरान उन्होंने उन्हें कुवैत के अमीर शेख नवाफ अल-अहमद अल-जाबिर अल-सबा के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भेजा गया निजी पत्र सौंपा।

अपने शासन युग के अंत के निकट आने पर फूट रहा इजराइल के नेतन्याहू का गुस्सा

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू के एतिहासिक 12 वर्ष के शासन की समाप्ति के अंतिम दिनों में भी वह राजनीतिक मंच को शांति से अलविदा नहीं कह रहे हैं। लंबे समय तक शासन करने वाले नेतन्याहू अपने प्रतिद्वंद्वियों पर उनके मतदाताओं को धोखा देने और कुछ को विशेष सुरक्षा की आवश्यकता पड़ने का आरोप लगा रहे हैं। नेतन्याहू ने कहा कि वह नीतियों में उलट फेर करने वाली सरकारी एजेंसियों और सेना के प्रभावशाली व्यक्तियों (डीप स्टेट) की साजिश का शिकार हुए हैं। वह जब अपने नेतृत्व के बिना देश की बात करते हैं तो कहते हैं कि देश का सर्वनाश होगा।

नेतन्याहू ने रूढ़िवादी चैनल 20 टीवी स्टेशन से इस हफ्ते कहा, ''वे अच्छे को उखाड़ फेंक रहे हैं और उसके स्थान पर बुरे और खरतनाक को ला रहे हैं।卐 साथ ही कहा, 卐मुझे देश के भाग्य को लेकर डर है।卐 ऐसी तनावपूर्ण दिनों को दर्शाती है जब नेतन्याहू और उनके वफादार नयी सरकार को रविवार को शासन संभालने से रोकने के लिए आखिरी हताश कोशिश कर रहे हैं। अपने लिए विकल्पों की समाप्ति के साथ ही, इसने नेतन्याहू को विपक्ष का नेता बनने का भी पूर्वालोकन प्रदान किया है। जिन लोगों ने नेतन्याहू को कई वर्षों से इजराइली राजनिति में अपना वर्चस्व स्थापित करते देखा है, उनके लिए नेतन्याहू का हाल का व्यवहार काफी जाना-पहचाना है। वह अकसर बड़े और छोटे खतरों का स्पष्ट रूप में वर्णन करते हैं। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वियों को हमेशा कम आंका है और फूट डालो और जीतो की युक्ति का इस्तेमाल कर फले-फूले हैं। उन्होंने अपने यहूदी विरोधियों को कमजोर, आत्म घृणा करने वाले 卐वामपंथियों'' के तौर पर और अरब नेताओं को आतंकवादियों के हमदर्द के संभावित पांचवे स्तंभ के रूप में चित्रित किया है। वह नियमित तौर पर खुद को देश चलाने में सक्षम एकमात्र व्यक्ति के तौर पर पेश करते हैं।

चीन के आक्रामक व्यवहार को लेकर चिंता में अमेरिका, हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए बड़ा संकट

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने चीन को एक बढ़ती हुई चुनौती बताते हुए अमेरिकी सांसदों से कहा कि बीजिंग के ''आक्रामक व्यवहार'' से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संकट पैदा हो सकता है। पेंटागन के वार्षिक बजट पर कांग्रेस की सुनवाई के दौरान सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति के सदस्यों के सवालों के जवाब में उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों की सेनाओं और सरकारी अधिकारियों के बीच संवाद की सीधी लाइन होनी चाहिए। ऑस्टिन ने बृहस्पतिवार को कहा, ''हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के आक्रामक बर्ताव को देखते हुए मुझे आशंका है कि कुछ ऐसा हो सकता है जिसके कारण वहां संकट पैदा हो जाए। हम चाहते हैं कि अपने सहयोगियों और साझेदारों तथा शत्रुओं या संभावित शत्रुओं से बात करने की क्षमता हमारे पास हो। इसलिए मुझे लगता है कि सेना बल्कि सरकारी अधिकारियों के बीच भी संवाद की सीधी लाइन होनी चाहिए।'' ऑस्टिन ने कहा कि वर्तमान में चीन के साथ अमेरिका के संबंध प्रतिस्पर्धा वाले हैं। उन्होंने कहा, ''वे इस ग्रह का सबसे प्रभावशाली देश बनना चाहते हैं। उनका दीर्घकालिक लक्ष्य यही है। वे सेना समेत अनेक गतिविधियों में हमारे साथ प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं। हम जो कुछ भी करते हैं, सेना या सरकार के अन्य क्षेत्रों में, इसलिए करते हैं ताकि हम आर्थिक रूप से प्रतिस्पर्धी बने रह सकें, दुनिया के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक तैयार कर सकें और सबसे विस्तृत शोध कर सकें। यह व्यापक गतिविधियों की प्रतिस्पर्धा है।'' चीन ने अमेरिका से अनुरोध किया है कि वह उसके साथ एक ''काल्पनिक शत्रु'' की तरह बर्ताव न करे। चीन के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस हफ्ते बीजिंग में कहा कि चीन अमेरिका के साथ अविवादित, बिना मुकाबले वाले, परस्पर सम्मान के तथा दोनों के लिए लाभदायक संबंध विकसित करना चाहता है, हालांकि इसके साथ ही वह अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और विकास संबंधी हितों की भी मजबूती से रक्षा करेगा।'' उल्लेखनीय है कि चीन 10.3 लाख वर्गमील के लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर को अपना संप्रभु क्षेत्र बताता है। हालांकि अमेरिकी नौसेना के पोत अक्सर इस विवादित क्षेत्र से गुजरते हैं जिनके जरिए अमेरिका क्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता पर जोर देता है। बुधवार को ऑस्टिन ने रक्षा विभाग को निर्देश जारी किए जिनमें कहा गया कि वह अमेरिका के लिए सबसे बड़ी चुनौती बने चीन की ओर से उठने वाली सुरक्षा चुनौतियों से और बेहतर तरीके से निबटें। ये निर्देश विभाग की चाइना टास्क फोर्स की अंतिम अनुशंसाओं के आधार पर दिए गए। बृहस्पतिवार को सुनवाई के दौरान सीनेटर एंगस किंग ने कहा कि आज अमेरिका के सामने सबसे गंभीर खतरा है चीन के साथ

दुर्घटनावश संघर्ष, जिससे तनाव बढ़ने का जोखिम हो। उन्होंने चीन को अमेरिका के लिए एक बढ़ती चुनौती बताया और कहा, ''यह बात मुझे परेशान करती है कि चीन के साथ हमारी कोई प्रभावी हॉटलाइन नहीं है। मैं समझता हूं कि चीन इसके लिए तैयार नहीं है लेकिन मेरा मानना है कि यह एक राष्ट्रीय सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए।'' जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल मार्क मीले ने कहा कि सेना के दृष्टिकोण से देखें तो अमेरिका के लिए चीन सबसे बड़ा खतरा है वहीं रूस एक बड़ी प्रतिस्पर्धी ताकत है।

चीन की सेना पर न बने कोई दबाव इसके लिए ड्रैगन ने बनाया नया कानून

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन ने एक नया विथधेयक पारित किया है जो सैन्य कर्मियों की ÷मानहानि'' को प्रतिबंधित करता है। यह 2018 के कानून की एक कड़ी है। चीन के 2018 के कानून के तहत देश के एक लोकप्रिय ब्लॉगर को पिछले साल पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी में भारतीय सेना के साथ संघर्ष में मारे गए पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी (पीएलए) के सैनिकों को ÷बदनाम करने÷ के मामले में हाल में सजा दी गई थी। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने खबर दी कि नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) की स्थायी समिति द्वारा बृहस्पतिवार को स्वीकृत विधेयक में कहा गया कि कोई भी व्यक्ति या संगठन किसी भी प्रकार से सैनिकों के सम्मान की निंदा या अपमान नहीं करेगा न ही वे सशस्त्र बलों के सदस्यों की साख की निंदा या अपमान करेंगे।

नये विधेयक में सैन्यकर्मियों के सम्मान में बनाए गई पट्टिकाओं को अपवित्र किए जाने को भी प्रतिबंधित किया गया है। नये विधेयक के मुताबिक अभियोजक सैन्यकर्मियों की मानहानि और उनके वैध अधिकारों एवं हितों के उल्लंघन के मामले में जनहित याचिका दायर कर सकते हैं जिन्होंने उनके कर्तव्यों और मिशनों के प्रदर्शन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है तथा समाज के सार्वजनिक हितों को नुकसान पहुंचाया है। हांगकांग से संचालित साउथ चाइन मॉर्निंग पोस्ट ने खबर दी कि यह नया कानून क्रांतिकारी ÷शहीदों'' की मानहानि को पहले से प्रतिबंधित करने वाले कानूनी उपायों की श्रृंखला में जुड़ा नया उपाय है। इन उपायों में देश की आपराधिक संहिता में सुधार और नायकों एवं शहीदों के संरक्षण के लिए बने 2018 का कानून भी शामिल है। नये विधेयक पर टिप्पणी करते हुए, पीएलए के पूर्व प्रशिक्षक एवं हांगकांग निवासी सैन्य मामलों के टीकाकार सोंग झोंगपिंग ने कहा कि यह कानून, जिसमें सेवा कर्मियों के परिवारों को भी शामिल किया गया है, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के मिशन की भावना को मजबूत करने के लिए है। सोग ने अखबार से कहा, ÷पूर्व में, हमारे कानूनी साधन पूर्ण नहीं थे और यह नया कानून हमारे सैनिकों के अधिकारों एवं सम्मानों के लिए अधिक व्यापक संरक्षण उपलब्ध कराएगा।÷ चीन में इंटरनेट की एक हस्ती को 31 मई को पिछले साल गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों के साथ झड़प में मारे गए चीनी सैनिकों की ÷बदनामी÷ के मामले में सजा दी गई। सरकारी समाचार-पत्र 'ग्लोबल टाइम्स' ने एक जून को खबर दी कि करीब 25 लाख फॉलोअर वाले क्यू जिमिंग को आठ महीने की जेल की सजा दी गई।

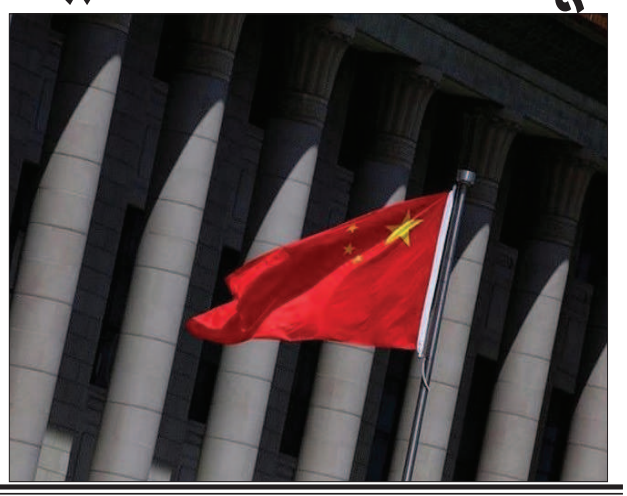

संपादकीय

आंकड़ों की अहमियत

आंकड़े बहुत मूल्यवान होते हैं, इसलिए उनका सटीक होना सदैव स्वागतयोग्य है। यदि बिहार में कोरोना से होने वाली मौतों की संख्या में अचानक बढ़ोतरी दिख रही है, तो कोई आश्चर्य नहीं। सरकार की यह पहल दूसरे राज्यों के लिए भी अनुकरणीय होनी चाहिए। पहले बिहार सरकार ने बताया था कि कोरोना की वजह से 5,529 लोगों की जान गई है, लेकिन महज एक दिन में यह आंकड़ा 9,429 पर पहुंच गया। ऐसा कतई नहीं कि एक दिन में 3,900 लोगों की कोरोना से जान गई है। दरअसल, इससे पता चलता है कि हम आंकड़ों को दुरुस्त रखने के प्रति पर्याप्त सजग नहीं हैं। मृतकों की संख्या में अचानक आई इस उछाल की वजह से राज्य में एक दिन में सबसे ज्यादा मौत दर्ज की गई है। इससे पूरे देश के आंकड़े में भी उछाल दिखा है और इस कारण से बिहार की ओर सबकी निगाह उठी है। आखिर ऐसा क्यों हुआ? शिकायत नई नहीं है, कोरोना संबंधी आंकड़ों में हेरफेर के आरोप लगते रहे हैं। विपक्षी दल मौत के आंकड़ों में हेरफेर के आरोप लगाते रहे हैं। अब चूंकि राज्य सरकार ने सुधार कर लिया है, तो आगे पूरी तरह से सचेत रहने की जरूरत है। ब्लॉक और जिला स्तर पर आंकड़ों को ठीक रखने या सुधारने की कवायद होनी चाहिए। आंकड़ों को दुरुस्त रखना इसलिए भी जरूरी है कि मुआवजों का वितरण न्यायपूर्ण ढंग से किया जा सके। कम से कम सरकार के स्तर पर तमाम आंकड़ों को एकत्र करने और जोड़ने का काम पूरी मुस्तैदी और ईमानदारी से हो। अगर आंकड़े सही नहीं होंगे, तो आने वाले दिनों में तरह-तरह की शिकायतें सामने आएंगी। अभी यह देखना चाहिए कि आंकड़ों को कैसे दुरुस्त किया गया है। क्या कुछ ऐसे जिले हैं, जहां से सही आंकड़े नहीं आ रहे थे? अगर ऐसे जिलों की पहचान करके निर्दिष्ट सुधार किए जाएं, तो आगे के लिए बेहतर होगा। एक शंका तो बन ही गई है कि ऐसे जिलों से आ रहे दूसरे आंकड़े कितने जमीनी या विश्वसनीय होंगे? बिहार जैसे अपेक्षाकृत पिछड़े राज्यों में आंकड़ों का विशेष महत्व है, ताकि किसी भी योजना में आंकड़ा जनित कमी की वजह से नाकामी न हासिल हो। यह अच्छी बात है कि स्वास्थ्य विभाग ने कमी को स्वीकार किया है और उसे आगे ईमानदारी से जांच करनी चाहिए। संभव है, आने वाले दिनों में आंकड़ों को और सुधारा जाए। सरकार को केवल अपने स्तर पर ही गणना नहीं करनी चाहिए, उसे तमाम निजी और सामाजिक स्रोत भी इस्तेमाल करने चाहिए। बिहार सरकार ही नहीं, अन्य सरकारों को भी ध्यान रखना होगा कि भविष्य में असत्यता का कोई भी आरोप न लगे। कोई यह न कहे कि तत्कालीन सरकार ने मौतों के आंकड़ों को छिपा लिया था। यह तय है कि आज के सूचना प्रधान युग में आंकड़े नहीं छिपेंगे। जैसे-जैसे जीवन सामान्य होगा, वैसे-वैसे समीक्षाएं तेज होंगी और आलोचना भी। आज सरकारें अपने आंकड़ों को जितना दुरुस्त रखेंगी, भविष्य में उनके लिए उतना ही अच्छा होगा। सरकारों को हर संभव तरीके से अपने आंकड़ों को ठीक करना होगा। मृतकों या पीड़ितों की सही गणना से आने वाले समय में अन्य महामारियों से लड़ने में हमें मदद मिलेगी। इसके अलावा अभी जो आंकड़े आ गए हैं, उनकी भी जमीनी जांच जरूरी है। सरकारों को सावधान रहना होगा कि आंकड़े किसी प्रकार के घोटाले का माध्यम न बनें।

'आज के ट्वीट

सम्बल

कोविड महामारी से उत्पन्न विषम परिस्थितियों के चलते आर्थिक समस्या का सामना कर रहे प्रदेश के कलाकारों को सम्बल देने के लिए उन्हें 5 हजार रूपए की एकमुश्त सहायता प्रदान करने का निर्णय किया है। इस फैसले से आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद करीब 2 हजार कलाकारों को राहत मिल सकेगी। --मु. अशोक गहलोत

श्रम की कैद में बचपन

विश्व बालश्रम निषेध दिवस (12 जून) पर विशेष/ योगेश कुमार गोयल

बालश्रम की समस्या पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। हालांकि इसके समाधान के लिए बालश्रम पर प्रतिबंध लगाने हेतु कई देशों द्वारा कानून भी बनाए गए हैं लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। बालश्रम के प्रति विरोध तथा इसके लिए लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 12 जून को दुनियाभर में 'बालश्रम निषेध दिवस' मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 'अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन' (आईएलओ) द्वारा वर्ष 2002 में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को बालश्रम से बाहर निकालकर शिक्षित करने के उद्देश्य से की गई थी। बच्चों की समस्याओं पर विचार करने के लिए पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय प्रयास अक्तूबर 1990 में न्यूयार्क में विश्व शिखर सम्मेलन में हुआ था, जिसमें गरीबी, कुपोषण और भुखमरी के शिकार दुनियाभर के करोड़ों बच्चों की समस्याओं पर 151 देशों के प्रतिनिधियों ने विचार-विमर्श किया था। हालांकि चिंता की बात यही है कि बालश्रम निषेध दिवस मनाते हुए 18 वर्ष बीत जाने के बाद भी बालश्रम पर अंकुश नहीं लगाया जा सका है। बढ़ती जनसंख्या, निर्धनता, अशिक्षा, बेरोजगारी, खाद्य असुरक्षा, अनाथ, सस्ता श्रम, मौजूदा कानूनों का दृढ़ता से लागू न होना इत्यादि बालश्रम के अहम कारण हैं। बालश्रम के ही कारण बच्चे शिक्षा से वंचित हो जाते हैं, उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है, बाल अपराध बढ़ते हैं और भिक्षावृत्ति, मानव अंगों के कारोबार तथा यौन शोषण के लिए उनकी गैर कानूनी खरीद-फरोख्त होती है। आईएलओ की एक रिपोर्ट 'बाल श्रम के वैश्विक अनुमान-परिणाम और रुझान 2012-2016' में बताया गया था कि दुनियाभर में 5 और 17 वर्ष की उम्र के बीच करीब 15.2 करोड़ बच्चे बाल मजदूरी करने को विवश हैं, जिनमें से 7.3 करोड़ बच्चे बहुत बदतर परिस्थितियों में खतरनाक कार्य कर रहे हैं, जिनमें सफाई, निर्माण, कृषि कार्य, खदानों, कारखानों में तथा फेरी वाले व घरेलू सहायक इत्यादि के रूप में कार्य करना शामिल हैं। आईएलओ के अनुसार हाल के वर्षों में खतरनाक श्रम में शामिल 5 से 11 वर्ष की आयु के बच्चों की संख्या बढ़कर करीब दो करोड़ हो गई है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार 15 से 24 वर्ष आयु के 54 करोड़ युवा श्रमिकों में से 3.7 करोड़ बच्चे हैं, जो खतरनाक बालश्रम का कार्य करते हैं। पिछले डेढ़ वर्षों के कोरोना काल में तो इन आंकड़ों में जबरदस्त वृद्धि होने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्य के तहत हालांकि वर्ष 2025 तक बाल मजदूरी को पूरी तरह से खत्म करने का संकल्प लिया गया है लेकिन पूरी दुनिया में बालश्रम के आंकड़े जिस प्रकार बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए फिलहाल ऐसा होता संभव नहीं दिखता। यूनीसेफ की एक रिपोर्ट में बताया जा चुका है कि दुनियाभर में 13 करोड़ से भी ज्यादा बच्चे किसी न किसी कारण स्कूल नहीं जा पाते। वैसे दुनिया के विभिन्न देशों में बालश्रम को लेकर बच्चों की अलग-अलग आयु निर्धारित है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार श्रम करने वाले 18 वर्ष से कम आयु वालों को बाल श्रमिक माना गया है जबकि आईएलओ के मुताबिक बालश्रम की उम्र 15 वर्ष तय की गई है। अमेरिका में 12 वर्ष अथवा उससे कम उम्र वालों को बाल श्रमिक माना जाता है जबकि भारतीय संविधान के अनुसार किसी उद्योग, कारखाने या कम्पनी में शारीरिक अथवा मानसिक श्रम करने वाले 5 से 14 वर्ष आयु वाले बच्चों को बाल श्रमिक कहा जाता है। यूनीसेफ के अनुसार दुनियाभर के कुल बाल मजदूरों में 12 फीसदी हिस्सेदारी अकेले भारत की है। हालांकि भारत में बाल श्रम (निषेध व नियमन) अधिनियम 1986 के तहत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के जीवन एवं स्वास्थ्य के लिए अहितकर माने गए किसी भी प्रकार के अवैध पेशों तथा कई प्रक्रियाओं में नियोजन को निषिद्ध बनाता है। वर्ष 1996 में उच्चतम न्यायालय ने भी अपने फैसले में संघीय और राज्य सरकारों को खतरनाक प्रक्रियाओं तथा पेशों में कार्य करने वाले बच्चों की पहचान करने, उन्हें कार्य से हटाने और गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया था। अगर मौजूदा समय में बालश्रम की स्थिति देखें तो करोड़ों बच्चे पढ़ने-लिखने, खेलने-कूदने की उम्र में देशभर के विभिन्न हिस्सों में कालीन, दियासलाई, रत्न पॉलिश, ज्वैलरी, पीतल, कांच, बीड़ी उद्योग, हस्तशिल्प, पत्थर खुदाई, चाय बागान, बाल वेश्यावृत्ति इत्यादि कार्यों में लिप्त हैं। एक ओर जहां श्रम कार्यों में लिप्त बच्चों का बचपन श्रम की भट्ठी में झुलस रहा है, वहीं कम उम्र में खतरनाक कार्यों में लिप्त होने के कारण ऐसे अनेक बच्चों को कई प्रकार की बीमारियां होने का खतरा भी रहता है। खतरनाक कार्यों में संलिप्त होने के कारण बाल श्रमिकों में प्रायः श्वास रोग, टीबी, दमा, रीढ़ की हड्डी की बीमारी, नेत्र रोग, सर्दी-खांसी, सिलिकोसिस, चर्म-रोग, स्नायु संबंधी जटिलता, अत्यधिक उत्तेजना, ऐंठन, तपेदिक जैसी बीमारियां हो जाती हैं। हालांकि भारत में बालश्रम को लेकर स्पष्ट आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं लेकिन वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में 5 से 14 वर्ष के 25.96 करोड़ बच्चों में से 1.01 करोड़ बालश्रम की दलदल में धकेले गए थे। गैर सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारत में वर्तमान में पांच करोड़ से ज्यादा बाल मजदूर हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो देश में कुल बाल मजदूरों में से करीब 80फीसद बच्चे गांवों से ही हैं और खेती-बाड़ी जैसे कार्यों से लेकर खतरनाक उद्योगों और यहां तक कि वेश्यावृत्ति जैसे शर्मनाक पेशों में भी धकेले गए हैं। बालश्रम के खिलाफ कार्यरत संगठन 'बचपन बचाओ आंदोलन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 7-8 करोड़ बच्चे अनिवार्य शिक्षा से वंचित हैं। इनमें अधिकांश बच्चे संगठित अपराध रैकेट के शिकार होकर बाल मजदूरी के लिए विवश किए जाते हैं जबकि शेष गरीबी के कारण स्कूल नहीं जा पाते। श्रम विशेषज्ञों का मानना है कि बालश्रम केवल गरीबी की ही देन नहीं है बल्कि इसका संबंध समुचित शिक्षा के अभाव से भी है। बाल श्रम पर अंकुश लगाने के लिए देश में दर्जनों कानून हैं लेकिन तमाम कानूनी प्रतिबंधों, प्रावधानों के बावजूद शिवकाशी सहित तमाम पटाखा फैक्टरियों, दियासलाई उद्योगों, कांच उद्योग, पीतल उद्योग, हथकरघा उद्योग इत्यादि में करोड़ों बच्चे कार्यरत हैं और यह सब खुलेआम हो रहा है। बच्चों से मजदूर के रूप से काम कराने वालों के लिए कानून में दंड का प्रावधान है लेकिन इस दिशा में प्रशासनिक सक्रियता का अभाव स्पष्ट परिलक्षित होता रहा है। बालश्रम की समस्या को मिटाने के बारे में नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी का कहना है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पर्याप्त संसाधनों, सामूहिक कार्यों और वंचित बच्चों के प्रति पर्याप्त सहानुभूति से ही इस समस्या को समाप्त किया जा सकता है। वह कहते हैं कि जिस दिन हम एक गरीब के बच्चे के साथ भी अपने बच्चों की तरह व्यवहार करने लगेंगे, बालश्रम स्वतः ही खत्म हो जाएगा। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

भागीदारी

जग्गी वासुदेव

किसी चीज के साथ भागीदारी होने और उसमें उलझने में अंतर है। जीवन को जानने का एक ही तरीका है-भागीदारी, पूरी तरह से शामिल होना। ये सिर्फ आध्यात्मिकता की बात नहीं है। आप किसी चीज में पूरी तरह से शामिल नहीं होते, उससे पूरी तरह से नहीं जुड़ते, तो क्या आप अपने जीवन में कुछ भी जान पाएंगे? लोगों में जो कमी है, वह है-भागीदारी। जब भागीदारी भेदभाव करके की जाती है तो उलझन बन जाती है, आप फंस जाते हैं। तो अपनी भागीदारी को बिना किसी सोच-विचार के संपूर्ण होने दीजिए! जिस जमीन पर आप चलते हैं, जो खाना आप खाते हैं, जो पानी आप पीते हैं, जिस हवा में आप सांस लेते हैं और वह जगह जहां आप हैं, देखिए, क्या आप हर चीज के साथ पूरी तरह से शामिल हो सकते हैं? वैसे तो आप शामिल हैं ही, पर बिना जागरूकता के, अचेतन ढंग से। जिस हवा में आप सांस ले रहे हैं, उसके साथ अगर आप पूरी तरह से शामिल नहीं हों, तो आप मर जाएंगे। आपको बस इस बात की जागरूकता रखनी है कि जीवन सिर्फ इसी ढंग से होता है। आपको बस यह देखना है कि आप जागरूक होकर भागीदार रहें। आप बिना जागरूकता के शामिल होंगे तो यह बड़ा बोझ लगेगा। आप जागरूकता के साथ शामिल हों तो यह बहुत खुशी से भरा हुआ रहेगा। आज हम वैज्ञानिक तरीके से साबित कर सकते हैं कि आपके शरीर का हर एक परमाणु सारे ब्रह्मांड के साथ बात करता है। आप उस अद्भुत घटना से मुंह फेरने की कोशिश कर रहे हैं, जो आपके जीवन का मूल आधार है, और सृष्टि की रचना का भी। आपकी तकलीफ इस वजह से नहीं है कि आप अपने परिवार के साथ बहुत ज्यादा जुड़े हुए हैं, बल्कि इस कारण से होती है कि आप उस अद्भुत घटना की ओर ध्यान नहीं देते। क्या आज सूरज सही समय पर निकला था? हां! धरती अपने सही समय पर चक्कर लगा रही है, फूल खिल रहे हैं। ब्रह्मांड की अनगिनत गैलेक्सियों में सब कुछ एकदम सही ढंग से हो रहा है। पर आपके दिमाग में एक खराब विचार आ जाता है और आपका दिन खराब हो जाता है। समस्या यह है कि आप ने यह समझ ही खो दी है कि आप कौन हैं? आप अपने स्वयं के बारे में बहुत ज्यादा ही सोचते हैं।

आज का राशिफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे ड्ड

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

मौजूदा हालातो में उभरता कड़वा प्रश्न

498A और अन्य महिला उत्पीड़न विरोधी कानून का उपयोग महिला अपनी सुरक्षा के लिए करती है या फिर कानून के नाम पर ब्लैकमेल करके ससुराल में अपनी मनमानी चलाने को करती है?

हमारे देश की संसद ने महिलाओं का मानसिक एवं शारीरिक उत्पीड़न, दहेज उत्पीड़न, एवं घरेलू हिंसा से उत्पीड़न को रोकने के लिए 498 के समेत महिलाओं की तरफदारी में अन्य कई कानून बनाए हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों से महिलाओं की तरफदारी में बनाए गए कानून का दुरउपयोग महिलाएं सास-ससुर एवं परिवार से अलग होने के लिए, जायदाद में नाम दाखिल करने के लिए एवं जिस्म की नुमाइश हो ऐसे कपड़े पहनने के लिए या तो फिर और अन्य छोटे बड़े मुद्दे उठाकर कानून के नाम ब्लैक मेलिंग करके ससुराल में अपनी मनमानी चलाने के किस्से भी सामने आ रहे हैं। हालांकि महिला उत्पीड़न रोकने के लिए बनाए गए कानूनों से कोर्ट में दाखिल होते मुकदमों में से केवल 5 या 7 प्रतिशत किस्सों में ही पति एवं ससुराल के अन्य सदस्य दोषी पाए जाते हैं, जबकि 93 से 95त्न किस्सों में पति एवं ससुराल के अन्य सदस्य बाइज्जत बरी हो जाते हैं। यदि पति एवं ससुराल के अन्य सदस्यों ने वाकई में कुछ ना किया हो और महिला ने झूठी शिकायत की हो या तो फिर महिला ने केवल परेशान करने के लिए ससुराल के अन्य सदस्य जैसे की ननंद या और कोई सदस्य जो साथ ना रहे ते हो फिर भी ससुराल वालों को परेशान करने के लिए या ससुराल में अपनी मनमानी चलाने के लिए ससुराल के अन्य सदस्योंके नाम अभियुक्त के तौर पर अपनी शिकायत में लिखाए गए हो तब ससुराल के अन्य सदस्य भी कानूनी प्रावधानों का उपयोग करते हुए महिला पर झूठी आरोपो में फंसाने का मुकदमा, (द्वश्च 211) मानहानि का मुकदमा, (द्वश्च 499-500) या मामलो के हिसाब से अन्य मुकदमा कर भी सकते हैं, और महिला पर दबाव बनाकर उन्हें सबक भी सिखा सकते हैं। लेकिन अधिकतर वकीलों द्वारा पति या उसके घरवालों को महिला पर दबाव बना सके ऐसे काउंटर मुकदमों के बारे में अवगत कराया नहीं जाता, क्योंकि इससे महिला और इसके पति में सुलेह जल्दी होने के संभावनाएं बढ़ जाती है । और इन से अधिकतर वकीलों को होने वाली कमाई का बहुत बड़ा हिस्सा टूट जाता है। महिला अपनी तरफदारी में बनाए हुए कानून का दुरुपयोग इसलिए ज्यादा करती है क्योंकि उनकी शिकायत सहजता से एवं बड़ी आसानी से पुलिस/ कोर्ट द्वारा ली जाती है, जबकि पुरुष की शिकायत इतनी आसानी से और सहजता से पुलिस या कोर्ट द्वारा नहीं ली जाती। दूसरी ओर कानून की एवं लोगों की सहानुभूति ज्यादातर महिला के पक्ष में होती है जिनका वह बखूबी लाभ भी उठाती है। झूठे आरोप लगाकर अपने पति एवं ससुराल के अन्य सदस्यों के खिलाफ पुलिस या कोर्ट में शिकायत दाखिल करवाने वाली महिला बखूबी यह भी जानती है कि मेरे पति एवं ससुराल के अन्य सदस्य निर्दोष है, लेकिन यह बात कोर्ट में साबित होते होते 10-20 साल लग जाएंगे, ऑर तब तक के लिए अपने पति एवं ससुराल वाले समय एवं पैसों का बिगाड़ नही करना पसंद करेंगे, और इसी कारन से महिलाए अपनी मनमानी ससुराल में करवाने में सफल भी रहते हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो अधिकतर महिलाए विलंबित न्यायिक प्रक्रिया को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करती है। वहीं अधिकतर पुलिस अफसरो द्वारा महिलाओं द्वारा लगाए गए आरोप बेबुनियाद होने के बावजूद एवं कोर्ट ऑफ लॉ के तहत साबित करने में नामुमकिन होने के साथ-साथ प्रथम दृश्यनिय मुकदमा ना बनने के बावजूद भी एफ.आई .आर. रजिस्टर्ड करनी पड़ेगी, रिमांड की मांग भी करनी पड़ेगी और यह गैरजमानती धाराएँ है । इत्यादि शब्द कहकर पति एवं ससुराल वालों को डराया जाता है फिर उस डर के नाम पर पैसे ऐंठने का खेल शुरू होता है। और यदि पैसे देने को इनकार किया जाए तो अधिकतर पुलिस अफसरों द्वारा बेबुनियाद आरोप रहते हुए भी एफ. आई. आर .दर्ज की जाती है। कई अन्य मामलों में पुलिस के भ्रष्टाचार के मामले सामने आते है तो लोग ज्यादातर देखते भी नहीं, लेकिन ऐसे घरेलू मामलों में भी अधिकतर पुलिस अफसर अपनी कमाई का मौका नहीं छोड़ते। यदि सुप्रीम कोर्ट द्वारा ऐसे घरेलू मामलों में गहरा संज्ञान लिया जाए और निर्धारित समय सीमा के अंदर ऐसे मुकदमे पुरे कराने की गाइडलाइन जारी की जाए तो और मुकदमा झूठा पाए जाने पर शिकायतकर्ता महिला को उचित जुर्माना ठहराया जाए तो ऐसी झूठी शिकायतें पुलिस और कोर्ट में आनी खुद-ब-खुद कम हो जाएगी, और यह हमारी न्याय प्रक्रिया को और भी तेज बनाएंगी, और यह हमारी कोर्ट के लिए भी अच्छा रहेगा, क्योंकि पहले से ही देश की कोर्ट में अनगिनत मामले दर्ज है।

लेखक:- रवि ठक्कर

कटहल की खेती दे भरपूर फायदे

गुरदासपुर के एक किसान ने अपने खेत में कटहल के वृक्ष लगाए। यह वृक्ष लगभग 13 से 15 वर्षों के दरम्यान भरपूर फल देने लगता है। यह फल लगभग 12 रुपये से लेकर 50 रुपये किलो के हिसाब से बिकता है। सब्जी मंडी वाले स्वयं ही फल तोड़कर ले जाते हैं। एक कटहल तीन किलो से लेकर 16 किलो तक हो जाता है। यह वृक्ष बोहड़ या पीपल की भांति विशाल, ऊंचा–चौड़ा होता है।

कटहल को अंग्रेजी में ब्रेड फ्रूट तथा संस्कृत में इसको 'पनस' कहते हैं जिसके अर्थ हैं कटहल या कांटा। कटहल के वृक्ष को फल जड़ से लेकर तनों तथा शाखाओं तक लगता है। एक वृक्ष से क्विंटलों के हिसाब से फल उतरता है तथा कई माह तक रहता है। बेशक कटहल एक फल है। इसका आचार तथा स्वादिष्ट सब्जी बनती है। पक जाने पर यह बीच से मीठा होता है। कटहल की ऊपरी चमड़ी रोएंदार, कील जैसी खड़ी खुरदरी होती है। भारत के पूर्व वाले क्षेत्र तथा बर्मा, बिहार, गोरखपुर में ज्यादा पाया जाता है। दक्षिण भारत का पूर्वी तथा पश्चिमी तट कटहल का असली घर है। पंजाब में भी कटहल की बिजाई कामयाब हो रही है। कटहल में कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन, तेल, रेशे, विटामिन बी, सोडियम, लोहा, फासफोर्स, पोटाशियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं।

कटहल का वृक्ष 40 से 60 फुट ऊंचा हो जाता है। इस वृक्ष को मार्च-अप्रैल के दो माह दो प्रकार के नर तथा मादा अलग-अलग फल पड़ते हैं। इसके नर फल लम्बे तथा मादा गोल होते हैं। इसका फल मई से जुलाई तक सब्जी बनाने के काम आता है। इसके वृक्ष दो प्रकार के होते हैं। एक किस्म के वृक्ष के फल बीज वाले होते हैं तथा दूसरे में बीज नहीं होते। पंजाब में बीज वाले ही वृक्ष कामयाब हैं। यह गर्म क्षेत्र का वृक्ष है और पंजाब का जलवायु इसके लिए बहुत ही अनुकूल है। इस वृक्ष के नीचे लम्बे समय तक पानी खड़ा नहीं होना चाहिए। जून के माह यह वृक्ष फल से गुच्छों के रूप में भरपूर हो जाता है। अधिक पैदावार लेने के लिए दिसंबर-जनवरी के माह में इसकी कांट-छांट कर देनी चाहिए, अगर कांट-छांट न की जाए तो फल कम पड़ता है।

कटहल पौधों की बुआई कटहल के पक्के फल के बीजों से की जाती है तथा बिन बीज वाले पौधों की बुआई बिन बीज वाले कटहल के पौधों की जड़ से नए पौधे लिए जाते हैं। कटहल के बीज वाले फल को बीज पड़ते हैं तथा ऊपर ही पकने वाले फल से बीज निकाल कर बोए जाएं तो भी उगते हैं। फरवरी माह या फिर बरसातों में ही इसके पौधे खेतों में लगाएं।

प्रथम दो-तीन माह इनकी संभाल बहुत अनिवार्य है। एक से दूसरे पौधे की दूरी 40 फुट तक होनी चाहिए। जड़ से पैदा किए पौधे को 5-6 वर्षों बाद ही फल पड़ जाता है परन्तु बीज वाले पौधे को आठ से दस वर्ष बाद ही फल पड़ता है। इसके टूटे हुए फल को अगर खुली हवा में न रखा जाए तो एक सप्ताह में ही यह हल्का होकर पिचक जाएगा। इसकी लकड़ी पीले रंग की होती है तथा बहुत अच्छी किस्म की होती है। इसकी लकड़ी को दीमक नहीं लगता। इसकी लकड़ी से दरवाजे, खिड़कियां तथा फर्नीचर आदि बनता है। पॉलिश करने पर इसका काठ भव्य लगने लगता है। इसके बुरादे से एक प्रकार का पीला रंग बनता है जिससे बर्मा में आज बौद्ध-भिक्षु अपने वस्त्र रंगा करते हैं। इसकी छाल के काढ़े से भी रंग तैयार होता है।

कटहल की खेती अपनायें-खूब लाभ कमायें

कटहल के पौधे दीर्घ जीवी अधिक लाभ देने वाले विटामिन ए, सी तथा खनिज पदार्थों से भरपूर होते है। इनके फलों का उपयोग मुख्य रूप से सब्जी एवं अचार के लिए किया जा सकता है। यदि किसान कटहल का उत्पादन व्यवसाय रूप से करें तो उन्हें अधिक लाभ हो सकता है। वर्तमान में उद्यानिकी विभाग द्वारा विषेष तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहायता दी जा रही है। जिसका किसान लाभ ले सकें।

कटहल मध्यप्रदेश के सभी जलवायु क्षेत्रों में उगाया जा सकता है। इसके लिए पानी के निकास वाली गहरी उपजाऊ दोमट भूमि अच्छी रहती है। यह पौध अधिक सर्दी, गर्मी सहन नहीं कर पाता है किन्तु पर्याप्त प्रकाष मिलने पर इसका उत्पादन अच्छा हो जाता है।

कटहल की दो किस्में होती है। कडे गूदे वाली व मुलायम गूदे वाली इसकी जो प्रमुख जातियां है उनमें रूद्राक्षी, सिंगापुर, मुत्तम, वारीखाल व खाजा। रूद्राक्षी के फल छोटे व कांटे वाले होते है इनका वजन 4 से 5 किलो तक होता है। पूर्ण अवस्था प्राप्त वृक्षों से 500 से अधिक फल प्राप्त होते यह सब्जी के लिए उपयुक्त किस्म है। सिंगापुर जाति का वजन 7 से 10 किलो तक होता है गूदा मीठा फुर्रफुरा व पीले रंग का होता है। मुत्तम औसत 7 किलोग्राम तक का फल लगता है। सबसे बडे फल वाली किस्म खाजा है यह इसमें सफेद कोये वाले फल का भार 25 से 30 किलोग्राम तक होता है। इसके कोये पकने पर दूध की भांति सफेद रसदार एवं कोमल होते है।

कटहल का उद्यान लगाने के लिए चयनित स्थान पर रेखांकन कर 10 मीटर कतार से कतार एवं 10 मीटर पौधे की दूरी पर एक मीटर लंबे चौडे एवं गहरे आकार के गड्ढों को खोदकर मई के अंतिम सप्ताह या जून के प्रथम सप्ताह में खेत की मिट्टी व गोबर की खाद के मिश्रण के साथ 500 ग्राम सुपर फासफेट, 500 ग्राम पोटास एवं 50 ग्राम ऐलडेग्स चरूण मिलाकर भर दिये जाते है। वर्षा ऋतु में पौध के रोपण हेतु उपयुक्त समय होता है। पौध रोपण के बाद मिट्टी को अच्छी तरह से दबा देते है और नियमित देखभाल की जाती है। पौधों में संतुलित मात्रा में 1 से 6 वर्ष तक गोबर की खाद एवं उर्वरक की मात्रा दी जाती है। पौधों की सिंचाई हेतु गर्मी में 15 दिन व सर्दी ऋतु में 1 माह में सिंचाई की जाती है। दो तीन वर्ष की उम्र के पौधों की गर्मी के समय 7 दिन व ठंड में 15 दिन में सिंचाई करना ठीक रहता है।

कटहल के वृक्ष में नर एवं मादा फूल आते है। नर पहले व मादा वाद में आते है। नर फूल बाद में झण जाते है। मादा फूल मुख्य तने से लेकर प्रारंभिक तथा सहायक शाखाओं में लगे रहते है। अच्छी फसल के लिए कीट व्याधी उपचार हेतु समय-समय पर दवाओ का छिडकावं जरूरी है। कटहल की उपज औसतन 10 से 15 वर्ष पष्चात् 100 से 250 फल प्रति वृक्ष प्राप्त होते है। फलों का भार 5 से 30 किलोग्राम तक होता है और मार्च से जून तक प्राप्त होते है।

बिना जुताई के बोआई करने वाली मशीन

आज के आधुनिक जहां हर क्षेत्र में नई नई तकनीके आ रही हैं वहीं कृषि क्षेत्र में भी उत्पादन बढ़ाने के लिए हमारे वैज्ञानिक भी लगे हुए हैं और सफल भी हुए हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि कम समय और कम लागत में कृषि उत्पादन बढ़ाया जा सकता है और इसी को ध्यान में रखते हुए कई प्रकार के कृषि यंत्रों का निर्माण ही नहीं किया गया बल्कि उनसे कृषि उत्पादन बढ़ाने में कई अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। नए-नए कृषि यंत्रों से जहां किसानों का समय बचा है वहीं उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। भारत के किसानों ने खेती के उत्पादन बढ़ाने के लिए कई तरह के यंत्रों का उपयोग अपनी खेती किसानी के लिए किया है।

बैंकों के लिए वैश्विक नियामक ने बिटकॉइन जैसी क्रिप्टो-परिसंपत्तियों के बारे में जताई चिंता

नई दिल्ली। बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बेसल समिति ने गुरुवार को कहा कि बिटकॉइन जैसी क्रिप्टोकरंसी बैंकों के लिए अतिरिक्त और उच्च जोखिम पैदा करती है और एक नए कंजरवेटिव प्रूडेंशियल ट्रीटमेंट के अधीन होगी। क्रिप्टोकरंसी को वित्तीय स्थिरता के लिए एक जोखिम के रूप में देखा जाता है, क्योंकि मनी लॉन्ड्रिंग और कीमतों में अस्थिरता की उनकी क्षमता के कारण चूक हो सकती है और बैंकों को भारी नुकसान हो सकता है। नए प्रूडेंशियल मानदंडों के तहत बैंकों को अपने पास मौजूद किसी भी क्रिप्टोकरंसी के जोखिम को कवर करने के लिए अधिक पूंजी अलग रखने की आवश्यकता होगी। यह बैंकों के जमाकताओं और अन्य वरिष्ठ लेनदारों को नुकसान से बचाने के लिए आवश्यक है, जो इन परिसंपत्तियों की कीमतों में अचानक क्रैश के कारण हो सकता है जो अक्सर होता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इन डिजिटल मुद्राओं की कीमतों में व्यापक रूप से उतार-चढ़ाव के कारण बैंकिंग प्रणाली का सामना करने वाले उच्च जोखिम को भी हरी झंडी दिखाई है। आरबीआई ने तो वास्तव में क्रिप्टोकरेंसी पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन तब सुप्रीम कोर्ट ने इन संपत्तियों के सीमित उपयोग की अनुमति देने के लिए हस्तक्षेप किया था। बेसल समिति के प्रस्ताव आरबीआई के लिए एक शॉट के रूप में आते हैं क्योंकि सरकार इन जोखिम भरी डिजिटल मुद्राओं पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून पर काम कर रही है। बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बेसल समिति (बीसीबीएस) बैंकों के प्रूडेंशियल रेगुलेशन के लिए प्राथमिक वैश्विक मानक निर्धारक है और बैंकिंग पर्यवेक्षी मामलों पर नियमित सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करती है। इसके 45 सदस्यों में 28 क्षेत्राधिकारों के केंद्रीय बैंक और बैंक पर्यवेक्षक शामिल हैं। बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बेसल समिति ने बैंकों के क्रिप्टोकरंसी एक्सपोजर के प्रूडेंशियल व्यवहार के लिए प्रारंभिक प्रस्तावों पर एक सार्वजनिक परामर्श जारी किया है। बेसल समिति ने गुरुवार को जारी एक प्रेस बयान में कहा, क्रिप्टोकरंसी के लिए बैंकों का एक्सपोजर वर्तमान में सीमित है, क्रिप्टोकरंसी और संबंधित सेवाओं में निरंतर वृद्धि और नवाचार, कुछ बैंकों के बढ़े हुए हित के साथ, वैश्विक वित्तीय स्थिरता की चिंताओं और बैंकिंग प्रणाली के लिए एक विशिष्ट प्रूडेंशियल ट्रीटमेंट के अभाव में जोखिम बढ़ा सकते हैं। समिति ने कहा कि इस परिसंपत्ति वर्ग की तेजी से विकसित प्रकृति को देखते हुए, समिति का मानना है कि क्रिप्टोकरंसी एक्सपोजर के लिए नीति विकास में एक से अधिक परामर्श शामिल होने की संभावना है। समिति प्रस्तावों पर टिप्पणियों का स्वागत करती है, जिन्हें 10 सितंबर 2021 तक प्रस्तुत किया जा सकता है। सभी प्रस्तुतियां बीआईएस वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएंगी, जब तक कि कोई प्रतिवादी विशेष रूप से गोपनीय व्यवहार का अनुरोध नहीं करता है। बिटकॉइन की कीमतें पिछले सितंबर में लगभग 10,000 डॉलर से बढ़कर अप्रैल के मध्य में 63,000 डॉलर तक पहुंच गईं। हालांकि, पिछले एक महीने में, चीन में सख्त नियामक जांच और बिटकॉइन की उच्च ऊर्जा लागत की एलन मस्क की आलोचना के कारण कीमतें गिरकर 37,000 डॉलर तक गिर गई हैं। इससे पहले बिटकॉइन की कीमतें अचानक आसमान छू गई थीं, क्योंकि एलन मस्क ने अपनी इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला इंक के माध्यम से क्रिप्टोकुरंसी में 1.5 अरब डॉलर का निवेश किया था और कहा था कि बिटकॉइन जल्द ही भुगतान के लिए स्वीकार किया जाएगा। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने उस समय संभावित निवेशकों को ईमानदारी से सलाह दी थी और कहा था कि जब तक आप एलन मस्क की तरह अमीर नहीं हैं, आपको बिटकॉइन खरीदने का जोखिम नहीं उठाना चाहिए। इसी तरह वॉरेन बफेट, जिन्हें अब तक के सबसे सफल निवेशक के रूप में जाना जाता है, को बिटकॉइन के बारे में गंभीर आपत्ति है। उन्होंने बिटकॉइन को एक जहर के समान जोखिम भरा बताते हुए कहा है कि वह कभी भी क्रिप्टोकरेंसी नहीं खरीदेंगे। बफेट ने सीएनबीसी पर कहा था, मेरे पास कोई क्रिप्टोकरेंसी नहीं है और न ही मेरे पास कभी यह होगी।

(यह आलेख इंडिया नैरेटिव डॉट कॉम के साथ एक व्यवस्था के तहत लिया गया है)

आरबीआई ने दिया ग्राहकों को झटका,एटीएम इंटरचेंज फीस में की बढ़ौतरी

बिजनेस डेस्क:

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को करीब 9 साल के बाद एटीएम लेन-देन के लिए इंटरचेंज शुल्क को बढ़ाने की अनुमति दे दी। अब एटीएम से तय मुफ्त सीमा से अधिक बार पैसा निकालने पर अगले साल से ज्यादा शुल्क देना होगा। इसके तहत बैंक ग्राहक एक जनवरी, 2022 से अगर मुफ्त निकासी या अन्य सुविधाओं की स्वीकार्य सीमा से ज्यादा बार लेन-देन करते हैं, तो उन्हें प्रति लेन-देन 21 रुपए देने होंगे जो अभी 20 रुपए हैं। आरबीआई ने एक परिपत्र में कहा, ÷बैंकों को दूसरे बैंकों के एटीएम में कार्ड के उपयोग के एवज में लगने वाले शुल्क (इंटरचेंज फी) की क्षतिपूर्ति और अन्य लागत में बढ़ोतरी को देखते हुए उन्हें प्रति लेने-देन ग्राहक शुल्क बढ़ाकर 21 रुपए करने की अनुमति दी गई है। बढ़ा हुआ शुल्क एक जनवरी, 2022 से प्रभाव में आएगा। हालांकि ग्राहक पहले की तरह अपने बैंक के एटीएम से हर महीने 5 मुफ्त लेन-देन (वित्तीय और गैर-वित्तीय लेन-देन) के लिए पात्र होंगे। वे महानगर में अन्य बैंकों के एटीएम से 3 बार और छोटे शहरों में 5 बार मुफ्त लेन-देन कर सकेंगे। परिपत्र के अनुसार, साथ ही एक अगस्त, 2021 से प्रति वित्तीय लेन-देन 'इंटरचेंज शुल्क' 15 रुपए से बढ़ाकर 17 रुपए तथा गैर-वित्तीय लेन-देन के मामले में 5 रुपए से बढ़ाकर 6 रुपए करने की अनुमति दी गई है। बैंक अपने ग्राहकों की सुविधा के लिए एटीएम लगाते हैं। साथ ही दूसरे बैंकों के ग्राहकों को भी इसके जरिये सेवाएं दी जाती हैं। निर्धारित सीमा से अधिक उपयोग के एवज में वे शुल्क लेते हैं जिसे इंटरचेंज फी कहते हैं। आरबीआई ने कहा कि एटीएम लगाने की बढ़ती लागत और एटीएम परिचालकों के रखरखाव के खर्च में वृद्धि को देखते हुए शुल्क बढ़ाने की अनुमति दी गई है। इसमें संबंधित इकाइयों और ग्राहकों की सुविधाओं के बीच संतुलन की जरूरत को ध्यान रखा गया है।

एंड्रॉयड टीवी में यूट्यूब के इंस्टॉलेशन का आंकड़ा 10 करोड़ के पार

सैन फ्रांसिस्को। गूगल के स्वामित्व वाले वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म यूट्यूब की एंड्रॉयड टीवी में इंस्टॉलेशन की संख्या 10 करोड़ के पार पहुंच गई है। यानि अब तक एंड्रॉयड टीवी में यूट्यूब को दस करोड़ बार डाउनलोड कर इंस्टॉल किया जा चुका है। प्ले स्टोर के मुताबिक, एंड्रॉयड टीवी में यूट्यूब को दस करोड़ से अधिक बार इंस्टॉल किया जा चुका है, जो साल 2014 में इसकी रिलीज के बाद से अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। पिछले साल मई में इस इंस्टॉलेशन की संख्या 50 लाख थी।एंड्रॉयड पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक, प्ले स्टोर में टाइमिंग कभी भी सौ फीसदी नहीं रही है, यह यूट्यूब के लिए एक प्रभावशाली वृद्धि है। कंपनी के मुताबिक, यह कोई चौंकाने वाली बात नहीं है। साल 2020 में रोकू को छोड़कर लगभग सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म में भारी वृद्धि देखी गई। गूगल ने अपने आई/ओ डेवलपर कॉन्फ्रेंस में कहा भी था कि अमेरिका में एंड्रॉयड टीवी के क्षेत्र में इसका 80 फीसदी तक का इजाफा हुआ है।

रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा विदेशी मुद्रा भंडार, बढ़कर 605 अरब डॉलर पर पहुंचा

मुंबई: भारत 600 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार वाले देशों सूची में शामिल हो गया है। भारतीय रिजर्व बैंक के आज जारी आंकड़ों के अनुसार, 04 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा का देश का भंडार 6.84 अरब डॉलर बढ़कर 605.01 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले 28 मई को समाप्त सप्ताह में यह 5.27 अरब डॉलर की वृद्धि के साथ 598.16 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर रहा था। यह लगातार नवां सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा का देश का भंडार बढ़ा है। भारत 600 अरब डॉलर से अधिक की विदेशी मुद्रा वाला पांचवां देश बन गया है। इस मामले में हम रूस से मामूली अंतर से पीछे हैं। रूस के पास 605.20 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। चीन 3,330 अरब डॉलर के साथ सूची में पहले स्थान पर है। जापान 1,378 अरब डॉलर के दूसरे और स्विटजरलैंड 1,070 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि 04 जून को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 7.36 अरब डॉलर बढ़कर 560.89 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान स्वर्ण भंडार 50.2 करोड़ डॉलर घटकर 37.60 अरब डॉलर रह गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 1.60 करोड़ डॉलर घटकर पांच अरब डॉलर और विशेष आहरण अधिकार 10 लाख डॉलर घटकर 1.51 अरब डॉलर पर आ गया।

शेयर बाजार में तेजी बरकरार

सेंसेक्स और निफ्टी सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ ही अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में यह उछाल दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस और टीसीएस जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों के कारण आया है। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 52,641.53 अंक के अपने रिकॉर्डस्तर तक पहुंचने के बाद 174.29 अंक करीब 0.33 फीसदी की बढ़त के साथ 52,474.76 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 61.60 अंक तकरीबन 0.39 फीसदी की बढ़त के साथ ही 15,799.35 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा। सेंसेक्स की कंपनियों में डॉ. रेड्डीज का शेयर सबसे अधिक तीन फीसदी से ज्यादा ऊपर आया। वहीं पावरग्रिड, टीसीएस, एचसीएल टेक, इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी उछले हैं। वहीं दूसरी ओर एलएंडटी, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनवर्स और भारती एयरटेल के शेयरों में गिरावट रही। जानकारों के अनुसार स्थानीय बाजारों में बढ़त का सिलसिला जारी रहने से निफ्टी और सेंसेक्स अपने नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। इसके साथ ही आईटी, धातु के अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज के जोरदार लाभ से भी बाजार को सहयोग मिला। आर्थिक गतिविधियों में सुधार तथा सरकार की ओर से चालू वित्त वर्ष के लिए पूंजीगत व्यय कार्यक्रम को शुरू करने के संकेत से बाजार में निवेशकों का उत्साह बढ़ा है। इससे पहले सुबह रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस और एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े शेयरों में तेजी के चलते सेंसेक्स शुरुआती कारोबार के दौरान 250 अंक की बढ़त के साथ 52,578.07 के स्तर पर पहुंच गया। बाद में 30 शेयरों वाला बीएसई सूचकांक 241.05 अंक बढ़कर 52,541.52 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी 72 अंक बढ़कर 15,809.75 पर पहुंच गया। सेंसेक्स में सबसे अधिक दो फीसदी की तेजी पावरग्रिड में हुई। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, एचसीएल टेक, सन फार्मा, इंफोसिस और एचडीएफसी में भी बढ़त रही। दूसरी ओर बजाज फिनसर्व, एचयूएल, बजाज फाइनेंस, टाइटन और टेक महिंद्रा लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

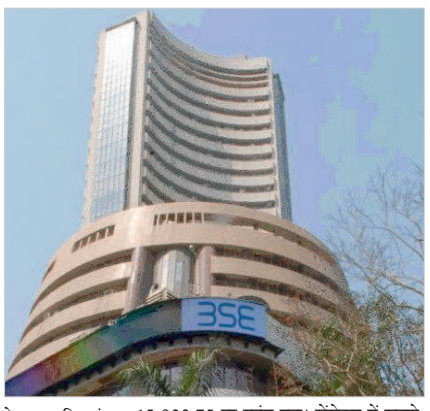

अमेरिकी एफडीए ने कोवैक्सीन को आपातकालीन उपयोग की मंजूरी देने से किया इनकार

नई दिल्ली।

अमेरिकी खाद्य एवं दवा नियामक (एफडीए) ने हैदराबाद आधारित भारत बायोटेक को बड़ा झटका देते हुए उसकी कोवैक्सीन को अमेरिका में आपातकालीन उपयोग के लिए मंजूरी देने से इनकार कर दिया है। कोविड-19 रोधी स्वदेशी कोवैक्सीन के इमरजेंसी उपयोग को फिलहाल मंजूरी देने से इनकार करते हुए भारतीय वैक्सीन प्रोड्यूसर के अमेरिकी साझेदार ओक्यूजेन को यह सलाह दी गई है कि वह भारतीय वैक्सीन के इस्तेमाल की मंजूरी के लिए और अधिक डेट प्रदान करे। एफडीए ने ओक्यूजेन को ईयूए यानी आपातकालीन उपयोग की अनुमति आवेदन के बजाय जैविक लाइसेंस आवेदन (बीएलए) में जाकर अनुरोध करने को कहा है । साथ ही, अतिरिक्त जानकारी और डेटा प्रदान करने को कहा है। कंपनी का अनुमान है कि सबमिशन का समर्थन करने के लिए एक अतिरिक्त नैदानिक परीक्षण से डेटा की आवश्यकता होगी। ओक्यूजेन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और सह-संस्थापक शंकर मुसुनुरी ने कहा, हालांकि, हम अपने ईयूए आवेदन को अंतिम रूप देने के बेहद करीब थे, लेकिन एफडीए ने हमें बीएलए के जरिए अनुरोध करने की सलाह दी है। इससे ज्यादा वक्त लगेगा, लेकिन हम कोवैक्सीन को अमेरिका में लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोवैक्सीन में डेल्टा वैरिएंट सहित सार्स-सीओवी-2 वेरिएंट से निपटने की क्षमता है। ऑक्यूजेन ने हाल ही में घोषणा की कि उसने कनाडा में वैक्सीन बेचने के लिए विशेष अधिकार हासिल किए हैं। अगर अमेरिका में कोवैक्सीन के आपातकालीन इस्तेमाल को मंजूरी मिल जाती है तो भारत की स्वदेशी वैक्सीन के लिए एक कामयाबी होती। बता दें कि ऑक्यूजेन यूएस एक बायोफार्मा कंपनी है, जो हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक के साथ कोवैक्सीन बनाने का काम कर रही है। एफडीए के इस फैसले के बाद अब कंपनी को अमेरिका में अपनी वैक्सीन को लॉन्च करने के लिए और थोड़ा इंतजार करना होगा। बता दें कि कुछ दिनों पहले कोवैक्सीन के लिए अमेरिकी साझेदार ओक्यूजेन ने अमेरिकी दवा नियामक एफडीए से इस टीके के आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति मांगी थी। कोवैक्सीन के अध्ययनों से पता चलता है कि इसने ब्राजील में सबसे पहले पहचाने गए सार्स-सीओवी-2, बी11282 के साथ ही अल्फा वैरिएंट, बी 117 को भी प्रभावी ढंग से बेअसर कर दिया है, जिसे पहली बार ब्रिटेन में पहचाना गया था। इसके अलावा इसे डेल्टा वैरिएंट, बी1617, जिसे पहली बार भारत में पहचाना गया था, उस पर भी प्रभावी बताया गया है। भारत और अन्य देशों में तीन करोड़ से अधिक खुराक की आपूर्ति की गई है। यह वर्तमान में 13 देशों में आपातकालीन उपयोग प्राधिकरणों के तहत प्रशासित की जा रही है और आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण के लिए आवेदन 60 से अधिक अतिरिक्त देशों में लंबित हैं।

सोने और चांदी में तेजी

नई दिल्ली।

घरेलू शेयर बाजार में सोने और चांदी में तेजी आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 441 रुपये की बढ़त के साथ ही 48,530 रुपये प्रति दस ग्राम पहुंच गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 48,089 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसी तरह चांदी भी 1,148 रुपये बढ़कर 71,432 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंची जबकि पिछले सत्र में चांदी का बंद भाव 70,284 रुपये प्रति किलोग्राम था। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव मामूली गिरावट के साथ 1,896 डॉलर प्रति औंस था जबकि चांदी का भाव 28.15 डॉलर प्रति औंस पर बना हुआ था।

कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच मई में यात्री वाहनों की बिक्री 66प्रतिशत घटी

नई दिल्ली:

कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच विभिन्न राज्यों में लॉकडाउन की वजह से डीलरों को आपूर्ति प्रभावित होने से अप्रैल की तुलना में मई में यात्री वाहनों की बिक्री 66 प्रतिशत घटकर 88,045 इकाई रह गई। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इस साल अप्रैल में यात्री वाहनों की बिक्री 2,61,633 इकाई रही थी। सियाम के आंकड़ों के अनुसार, डीलरों को दोपहिया की आपूर्ति 65 प्रतिशत घटकर 3,52,717 इकाई रह गई, जो अप्रैल में 9,95,097 इकाई रही थी। मोटरसाइकिलों की बिक्री 56 प्रतिशत घटकर 2,95,257 इकाई रह गई। अप्रैल में 6,67,841 मोटरसाइकिलें बिकी थीं। इसी तरह मई में स्कूटर बिक्री 83 प्रतिशत घटकर 50,294 इकाई रह गई, जो इस साल अप्रैल में 3,00,462 इकाई रही थी। तिपहिया की बिक्री 13,728 इकाई से घटकर 1,251 इकाई रह गई। विभिन्न श्रेणियों में वाहनों की बिक्री मई में 65 प्रतिशत घटकर 4,42,013 इकाई रह गई, जो अप्रैल में 12,70,458 इकाई रही थी। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा कि कोविड-19 संक्रमण के मामले बढ़ने की वजह से विभिन्न राज्यों में लॉकडाउन था। इसके चलते मई में वाहनों की बिक्री और उत्पादन प्रभावित हुआ।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा कई वाहन विनिर्माताओं ने औद्योगिक इस्तेमाल वाली ऑक्सीजन को मेडिकल इस्तेमाल को स्थानांतरित करने को अपने विनिर्माण संयंत्रों को बंद भी किया। इससे भी मई में बिक्री पर असर पड़ा।

एप्पल ने इलेक्ट्रिक कार परियोजना के लिए पूर्व-बीएमडब्ल्यू एग्जिीक्यूटिव को काम पर रखा

सैन फ्रांसिस्को।

एप्पल ने बीएमडब्ल्यू के एक पूर्व एक्जिक्यूटिव और हाल ही में ईवी स्टार्टअप कैनू से अलग हुए सीईओ और सह-संस्थापक, उलरिच क्रांज को अपनी इलेक्ट्रिक कार परियोजना के लिए अनुबंधित किया है। क्रांज कथित तौर पर डौग फील्ड के तहत सिलिकॉन वैली की दिग्गज इलेक्ट्रिक कार पर काम करेंगे, जो टेस्ला के पूर्व कार्यकारी रह चुके हैं। द वर्ज के अनुसार, क्रांज उन अधिकारियों में से एक थे जिन्होंने बीएमडब्ल्यू की ऑल-इलेक्ट्रिक आई3 हैचबैक और हाइब्रिड आई8 स्पोर्ट्स कार लॉन्च करने में मदद की। 2016 के अंत में जर्मन ऑटोमेकर को छोड़ने के कुछ ही समय बाद, उन्हें और बीएमडब्ल्यू के साथी स्टीफन क्रूस को संघर्षरत ईवी स्टार्टअप फैराडे फ्यूचर को बदलने में मदद करने के लिए टैप किया गया था। क्रांज, क्रूस और बीएमडब्ल्यू और अन्य पुराने वाहन निर्माताओं के कुछ अन्य एक्सपैट्स एक ऑल-इलेक्ट्रिक वैन के साथ आए, जिसे उन्होंने केवल सब्सक्रिप्शन के आधार पर बेचने की योजना बनाई। इसका खुलासा उन्होंने 2019 में किया था। वैन को एक कॉम्पैक्ट, मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म के आसपास डिजाइन किया गया था, जिसमें बैटरी पैक, इलेक्ट्रिक मोटर और वाहन के सभी इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल थे, जिसे कैनू अन्य निर्माताओं को बेचने या लाइसेंस देने की उम्मीद कर रहा था। जैसा कि द वर्ज ने इस साल की शुरूआत में विशेष रूप से रिपोर्ट किया था कि कैनू ईवी प्लेटफॉर्म पिच इतनी आकर्षक थी कि एप्पल ने 2020 की शुरूआत में स्टार्टअप के साथ बातचीत शुरू कर दी थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों कंपनियों के बीच बातचीत अंततः टूट गई, हालांकि, कैनू ने निवेश करना पसंद किया, जबकि एप्पल अधिग्रहण में रूचि रखता था। मंच के आधार पर वाहन बनाने के लिए कैनू का हुंडई के साथ एक समझौता भी था, लेकिन स्टार्टअप तब से उस सौदे से दूर चला गया है।

एसबीआई कार्ड ने कोविड के खिलाफ लड़ाई में गुरुग्राम प्रशासन का समर्थन किया

नई दिल्ली।

प्रमुख क्रेडिट कार्ड कंपनी एसबीआई कार्डस एंड पेमेंट सर्विसेज ने महामारी के खिलाफ लड़ाई में गुरुग्राम प्रशासन के साथ सहयोग किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने गुरुग्राम प्रशासन को वेंटिलेटर, बीआईपीएपी मशीन, परीक्षण किट और एम्बुलेंस के साथ कोविड -19 स्थिति के प्रबंधन में मदद करने के लिए 2 करोड़ रुपये से अधिक का वादा किया है। यह सहयोग एसबीआई कार्ड द्वारा चल रही एक राष्ट्रीय पहल का हिस्सा है, जिसमें कंपनी विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल और भोजन सहायता कार्यक्रमों के तहत विभिन्न प्रशासनों, गैर सरकारी संगठनों और चिकित्सा संस्थानों के साथ साझेदारी कर रही है। चूंकि कोरोनावायरस की दूसरी लहर ने लोगों को बुरी तरह प्रभावित किया है और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर दबाव डाला है, एसबीआई कार्ड ने गुरुग्राम प्रशासन के साथ 12 वेंटिलेटर, 20 बीआईपीएपी मशीन, 30,000 परीक्षण किट और 2 एम्बुलेंस का निर्माण किया है। एसबीआई कार्ड के एमडी और सीईओ राम मोहन राव अमारा ने कहा, इस कठिन समय में, एसबीआई कार्ड कोविड -19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में समुदाय और राष्ट्र का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमें उम्मीद है कि यह योगदान गुरुग्राम प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों में मदद करेगा।

गुरुग्राम के उपायुक्त यश गर्ग ने कहा, सभी के लिए अच्छी तरह से निर्धारित दिशानिदेशों का पालन करना और सुरक्षित रहना अनिवार्य है, प्रभावित लोगों का समर्थन करने के लिए प्रभावी ऑन-ग्राउंड तंत्र होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, साथ ही भविष्य के लिए कमर कसना होगा।

हम अपने प्रयासों को बढ़ाने के लिए एसबीआई कार्ड के समर्थन के लिए आभारी हैं।

इरेडा ने पीएलआई योजना के तहत सौर विनिर्माण संयंत्र लगाने को लेकर बोलियां आमंत्रित की

नयी दिल्ली,

सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लि. (इरेडा) ने केंद्र की 4,500 करोड़ रुपये की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत सौर विनिर्माण संयंत्र लगाने को लेकर सौर मोड्यूल विनिर्माताओं से बोलियां आमंत्रित की है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआई) ने इरेडा को योजना के लिये क्रियान्वयन एजेंसी नियुक्त किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में सौर फोटो वोल्टिक (पीवी) मोड्यूएल के विनिर्माण को बढ़ावा देने के मकसद से 4,500 करोड़ रुपये की पीएलआई योजना को मंजूरी दी है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून है। सफल बोलीदाताओं के चयन का काम 30 जुलाई तक पूरा किया जाना है। एमएनआरई ने एक बयान में कहा, ''नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अधीन आने वाले सार्वजनिक उपक्रम इरेडा ने 4,500 करोड़ रुपये की पीएलआई योजना के तहत सौर विनिर्माण इकाइयां लगाने को लेकर सौर मोड्यूल विनिर्माताओं से बोलियां आमंत्रित की है।'' इरेडा ने 25 मई को अपनी वेबसाइट पर आवेदन दस्तावेज को लेकर आमंत्रण जारी किया था और इलेक्ट्रॉनिक आवेदन प्रक्रिया 31 मई को शुरू हो गई थी। आवेदकों को योजना के तहत आबंटित पूरी क्षमता के हिसाब से पुरानी (ब्राउनफील्ड) या नई (ग्रीनफील्ड) विनिर्माण इकाई को स्थापित करने की आवश्यकता है। योजना के तहत आवेदकों को पुरानी और नई सुविधाओं का मिलाकर विनिर्माण इकाई स्थापित करने की अनुमति नहीं है। अगर विनिर्माण क्षमता/इकाई के लिए बोली जमा करने की अंतिम तिथि से पहले आवश्यक पूंजीगत वस्तुओं का आयात किया गया है, तो वह इस पीएलआई योजना के तहत भागीदारी के लिए पात्र नहीं होंगे। स्थापित की जाने वाली विनिर्माण इकाई की न्यूनतम क्षमता 1,000 मेगावाट होगी। पीएलआई को सफल आवेदकों के बीच सालाना आधार पर पांच साल में वितरित किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि वर्तमान में सौर क्षमता वृद्धि काफी हद तक आयातित सौर पीवी सेल और मोड्यूल पर निर्भर है क्योंकि घरेलू स्तर पर क्षमता सीमित है। बयान के अनुसार बिजली जैसे रणनीतिक क्षेत्र में उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मोड्यूल पर राष्ट्रीय कार्यक्रम आयात निर्भरता को कम करेगा और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल को मजबूत करेगा।

इंडोनेशिया ने सीईए खेलों को स्थगित करने के वियतनाम की मांग खारिज की

जर्काता। इंडोनेशिया ने साउथ ईस्ट एशिया खेलों (सीईए) 2021 को इस साल दिसंबर के बजाए अगले साल के मध्य में कराने की वियतनाम की मांग खारिज कर दी है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, खेल मंत्रालय के सचिव गातोत एस देवा ब्रोतो ने कहा कि इंडोनेशिया कंबोडिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड की तरह इन खेलों को तय कार्यक्रम के अनुसार ही करवाने का समर्थन करता है। वियतनाम ने देश में कोरोना के बढ़ते मामलों का हवाला देकर इन खेलों को स्थगित करने की अपील की थी। ब्रोतो ने कहा कि अगले साल पहले से ही एशिया खेल, एशियन इंडोर मार्शल आर्ट्स और इस्लामिक सोलिडेरिटी गेम्स का आयोजन होना है। उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट को अगले साल तक के लिए स्थगित करने पर इंडोनेशियाई सरकार पर एथलीटों के लिए अतिरिक्त बजट की जरूरत पड़ेगी।

हमेशा यह सुनिश्चित किया कि सभी को इंडिया ए, अंडर-19 दौरे पर खेलने का मौका मिले : द्रविड़

नई दिल्ली।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के निदेशक राहुल द्रविड़ ने कहा कि उन्होंने हमेशा यह सुनिश्चित किया है कि इंडिया ए दौरों पर सभी खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिले। द्रविड़ ने दक्रिकेट मंथली से कहा, मैंने खिलाड़ियों से कहा था कि अगर तुम मेरे साथ इंडिया ए दौरे पर जाओगे तो वहां से बिना मैच खेले नहीं लौटोगे। उन्होंने कहा, जब छोटा था तो मैंने अनुभव किया था। इंडिया ए दौरे पर ले जाया जाता था लेकिन खेलने का अवसर नहीं मिलना अजीब था। जब आप अच्छा कर रहे हैं इसके बाद आपको वहां जाकर खुद को साबित करने का मौका नहीं मिले यह अच्छा नहीं होता। 48 वर्षीय द्रविड़ ने टेस्ट में 13288 रन और वनडे में 10889 रन बनाए हैं। उन्होंने कहा कि वह अंडर-19 के मैचों में टीम में पांच से छह बदलाव करने की कोशिश करते हैं। द्रविड़ ने कहा, ऐसा करना आसान नहीं होता इसलिए आपको दोबारा मौका मिले इसकी गारंटी नहीं होती है। आपको कहना पड़ता है कि यह सर्वश्रेष्ठ 15 खिलाड़ी है जिनके साथ हमें खेलना है। द्रविड़ को युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक के लिए फिट रखने का श्रेय जाता है। उन्होंने कहा कि भारत में इस खेल को लेकर जुनून ज्यादा है। ऐसे में युवाओं को उच्च स्तर पर जाकर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अच्छी ट्रेनिंग और सुविधा की जरूरत है। उन्होंने कहा, बीच में या सड़क पर खेलने से कोई क्रिकेटर नहीं बनता। यह आपको ऐसा बनाता है जैसे आप इस खेल से प्यार करते हों। हमारे पास कई ऐसे खिलाड़ी थे जो इस खेल को पसंद करते थे। द्रविड़ ने कहा, जब तक आप खिलाड़ी को मैटिंग विकेट या टर्फ विकेट उपलब्ध नहीं कराएंगे और अच्छी कोचिंग नहीं देंगे तो कोई भी अच्छा क्रिकेटर नहीं बन पाएगा। हमें फिटनेस को लेकर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के लोगों को देखना पड़ता था, लेकिन हमें क्या मिला। जिम में ज्यादा वक्त बिताने की जरूरत नहीं है। इससे शरीर स्टीफ हो जाता है। बस आपको गेंदबाजी करनी है और दौड़ लगानी है।

प्रदर्शन, निरंतरता और तकनीक ही पूर्णता को परिभाषित करते हैं : विराट कोहली

स्पोर्ट्स डेस्क ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने जर्मन लक्जरी ऑटोमोबाइल निर्माता ऑडी इंडिया के साथ अपना करार जारी रखते हुए कहा कि प्रदर्शन, निरंतरता और तकनीक ही पूर्णता को परिभाषित करती है। विराट 2015 से ऑडी इंडिया से जुड़े हुए हैं लेकिन उन्होंने अपनी पहली ऑडी कार 2012 में खरीदी थी। विराट कोहली ने कहा, चाहे वह स्टीयरिंग व्हील के पीछे हो (कार चलाना) या पिच पर हाथ में बल्ला लेकर खड़े हों, प्रदर्शन, निरंतरता और तकनीक ही पूर्णता को परिभाषित करती है। मैं औपचारिक रूप से ब्रांड से जुड़ने से पहले से ही ऑडी का प्रशंसक रहा हूं। ऑडी की कारें स्टाइल और स्पोर्टीनेस को दर्शाती हैं, जो पूरी तरह से मेरे व्यक्तित्व के अनुरूप है। मैं ऑडी इंडिया के साथ अपने करार को जारी रखते हुए और इस ब्रांड परिवार का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। यह कहना सुरक्षित है कि ऑडी इंडिया के साथ मेरा रिश्ता सिर्फ एक टी20 से ज्यादा एक टेस्ट मैच का रहा है। गौर हो कि कोहली इस समय इंग्लैंड के साउथेम्प्टन में हैं जहां वह न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले सप्ताह होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल की तैयारियां कर रहे हैं। भारतीय टीम 3 जून को इंग्लैंड पहुंची थी जिसके बाद सख्त क्वारंटाइन के बाद अब टीम प्रैक्टिस में व्यस्त है। बीसीसीआई ने प्रैक्टिस सत्र का एक वीडियो भी जारी किया है जिसमें कोहली भी नजर आए।

अतीत में मिली असफलताओं से पार पाना मुश्किल था : अनासतासिया

पेरिस।

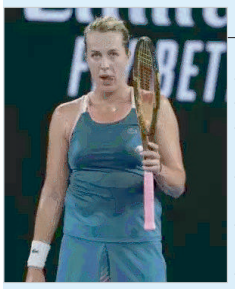

तमारा जिदांसेक को हराकर फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचीं रूस की अनासतासिया पावलिउचेंकोवा ने कहा है कि अतीत में कई बार वह फाइनल में पहुंचने के करीब थी, लेकिन उन्हें असफलता मिली थी और उससे उबर पाना उनके लिए मुश्किल था। अनासतासिया ने सेमीफाइनल में तमारा को 7-5, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। वह 2015 के बाद रूस की पहली खिलाड़ी हैं जिन्होंने फाइनल में प्रवेश किया है। अनासतासिया ने कहा, मुझे काफी संदेह था क्योंकि मैं शीर्ष खिलाड़ियों को हरा सकती थी । कई बार सेमीफाइनल में पहुंचने के करीब थी लेकिन ऐसा कर नहीं सकी थी। नतीजों के मामलों में यह काफी उतार-चढ़ाव भरा था। उन्होंने कहा, इससे पार पाना मुश्किल था। लेकिन अब मैं फाइनल में पहुंची हूं। मुझे लगता है कि मेरे से काफी उम्मीदें हैं लेकिन पिछले वर्षों में मुझे कई चीजों से पार पाना पड़ा है। अनासतासिया ने कहा, यहां पहुंचने के लिए लंबा सफर तय किया जिसमें कई उतार-चढ़ाव आए। यह काफी कठिन था, मैंने नहीं सोचा था कि मैं इस साल फाइनल तक पहुंच पाऊंगी। मुझे लगता है कि आप ऐसी चीजों की उम्मीद नहीं लगा सकते हैं। मैं बस यहां तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत करना चाहती थी।

ओलंपिक में अपना दल नहीं भेजेगा खेल मंत्रालय, खिलाड़ियों में सुधार के लिए लिया फैसला

नई दिल्ली ।

खेल मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि वह तोक्यो ओलंपिक में अपने अधिकारियों के दल को नहीं भेजेगा क्योंकि वह खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिये ज्यादा से ज्यादा सहयोगी स्टाफ को साथ भेजना चाहता है जिसमें कोच और फिजियो शामिल हैं। अभी तक कुल 100 खिलाड़ियों ने स्थगित हुए तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है और 25 से 35 खिलाड़ियों के और क्वालीफाई करने की उम्मीद है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'मंत्रालय ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सुधारने के लिए अधिकतम अतिरिक्त सहयोगी स्टाफ जैसे कोच, डॉक्टर, फिजियोथेरेपिस्ट भेजने का फैसला किया है।' इसके अनुसार, 'खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ के अलावा किसी अन्य व्यक्ति की यात्रा को तभी मंजूरी दी जाएगी जब कोई प्रोटोकॉल आवश्यकता होगी। इस इंतजाम के तहत मंत्रालय ने किसी भी दल को तोक्यो ओलंपिक नहीं भेजने का फैसला किया है।' नियमों के अनुसार ओलंपिक के लिए जाने वाले अधिकारियों की संख्या खिलाड़ियों के दल की एक तिहाई संख्या से ज्यादा नहीं हो सकती। कोविड-19 महामारी के कारण पेश आ रही चुनौतियों को देखते हुए जापान सरकार ने भी अपने मंत्रियों के स्टाफ दलों की संख्या सीमित कर दी है। भारतीय खिलाड़ियों के 'लाजिस्टिक' सहयोग के लिए

मंत्रालय ने भी तोक्यो में भारतीय दूतावास में ओलंपिक मिशन इकाई बनाने का फैसला किया है। तोक्यो ओलंपिक के लिये भारतीय दल के 190 के करीब होने की उम्मीद है जिसमें 100 से ज्यादा खिलाड़ी शामिल होंगे। भारत के खिलाड़ियों ने अभी तक 12 खेलों - बैडमिंटन, मुक्केबाजी, हॉकी, कुश्ती, नौकायन, एथलेटिक्स, तीरंदाजी, घुड़सवारी, तलवारबाजी, रोइंग, निशानेबाजी और टेबल टेनिस - में तोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया है।

संक्षिप्त समाचार

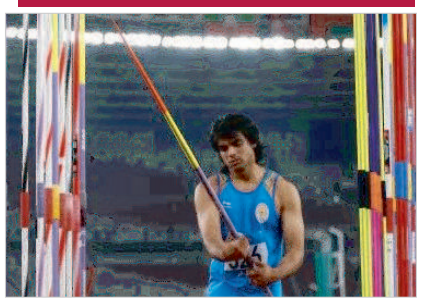

भारत के भाला फेंक एथलीट चोपड़ा ने लिस्बन में स्वर्ण जीता

लिस्बन। भारत के अग्रणी भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने गुरुवार को यहां जारी मीटिंग सिडडे डी लिस्बोआ टूर्नामेंट में 83.18 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पांच पुर्तगाली प्रतिभागियों के बीच 23 वर्षीय चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 83.18 मीटर था, जो स्वर्ण पदक वाला साबित हुआ। चोपड़ा ने छठे और अंतिम प्रयास में यह दूरी नापी। पुर्तगला का कोई भी प्रतियोगी 80 मीटर के निशान को पार नहीं कर सका। पुर्तगाल के लिएंड्रो रामोस 72.46 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे और पुर्तगाल के ही फ्रांसिस्को फर्नांडीस 57.25 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा का शुरूआती थ्रो 80.71 मीटर था जबकि उनका दूसरा और तीसरा प्रयास नो थ्रो था। वह चौथे में अच्छी लय हासिल करने में नाकाम रहे और केवल 78.50 मीटर का थ्रो रिकॉर्ड कर सके। उनका पांचवां प्रयास भी नो थ्रो था जबकि आखिरी और छठा थ्रो 83.18 मीटर था। चोपड़ा ने मार्च में पटियाला में सीजन की सर्वश्रेष्ठ 88.07 मीटर की दूरी नापी थी। लिस्बन के माध्यम से चोपड़ा 18 महीनों के बाद किसी इवेंट में उतरे हैं। जनवरी 2020 में, उन्होंने पोटचेफस्ट्रूम में दक्षिण अफ्रीकी घरेलू प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें87.86 मीटर का थ्रो रिकॉर्ड करके टोक्यो ओलंपिक क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड को 85 मीटर से बेहतर किया था। इसके बाद, वह महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा नहीं कर सके। पिछले हफ्ते उन्हें फ्रांस जाने के लिए वीजा मिला था और फिर वह पुर्तगाल में प्रतिस्पर्धा करने चले गए।

गेलफंड चैलेंज शतरंज - निहाल और प्रग्गानंधा की होगी टक्कर

नई दिल्ली (निकलेश जैन) दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों के बीच होने वाले चैम्पियन चैस टूर के अगले पड़ाव इंडियन ओपन मे जगह बनाने के लिए विश्व के 20 जूनियर खिलाड़ियों के बीच जूलियस बेर शतरंज का दूसरा टूर्नामेंट ÷गेलगंड चैलेंज ÷ शुरू हो गया है । पहले दिन के कई रोमांचक मुकाबलों के बाद अब सबकी नजरे भारतीय सनसनी प्रग्गानंधा और निहाल सरीन के बीच होने वाले मुकाबले पर लगी है । पहले दिन यूएसए के लेओंग आवोनडेर नें सभी 5 मुकाबले जीतकर एकल बढ़त कायम कर ली है ,उन्होने पहले ही राउंड मे खिताब के प्रबल दावेदार और पोलगर शतरंज के विजेता प्रग्गानंधा को मात देकर शुरुआत की और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा । हालांकि इसके बाद सम्हलकर खेलते हुए प्रग्गानंधा नें ईरान की सारासदात , रूस के मुरजिन वोलोदर और यूएसए के यीप क्रसिया को मात दी पर उन्हे उज्बेकिस्तान के नोरदिरबेक अब्दुसत्तारोव से पराजय का सामना करना पड़ा । पहले दिन प्रग्गानंधा 3 अंक बना सके । भारत के निहाल सरीन को भी नोरदिरबेक से हार का सामना करना पड़ा हालांकि उन्होने चीन की जु जिनर और जर्मनी के विन्सेंट केमर को मात दी और दो अन्य मुकाबले खेलकर 3 अंक बनाने मे सफल रहे । अन्य भारतीय खिलाड़ियों मे गुकेश डी 3 अंक तो लियॉन मेन्दोंसा 2.5 अंको पर खेल रहे है ।

टीम इंडिया में जगह पाकर भावुक हुए सकारिया, कहा- काश यह देखने के लिए पापा होते

स्पोर्ट्स डेस्क ।

आगामी श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है और 13 से 25 जुलाई के बीच तीन मैचों की वनडे और तीन मीचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज खेली जाएगी। श्रीलंका दौरे के लिए आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले राजसस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज चेतन सकारिया को भी भारतीय टीम में जगह दी गई है। टीम इंडिया में जगह पाकर सकारिया भावुक हो गए और कहा कि काश यह सब देखने के लिए मेरे पापा यहां पर होते। एक समाचार पत्र से बातचीत में सकारिया ने कहा, मेरी यह इच्छा थी कि यह सब देखने के लिए मेरे पापा यहां पर होते। वह मुझे भारत के लिए खेलते हुए देखना चाहते थे। मैं आज उनको बहुत ज्यादा याद कर रहा हूं। भगवान ने मुझे इस एक साल के अंदर कई उतार-चढ़ाव दिखाए हैं। यह अबतक काफी भावुक सफल रहा है। उन्होंने कहा, मैंने अपने भाई को खोया था और उसके एक महीने के बाद ही मुझे आईपीएल का एक बड़ा कॉन्ट्रैक्ट मिल गया था। पिछले महीने मैंने अपने पिता को खोया और भगवान ने मुझे टीम इंडिया में सिलेक्ट करवा दिया। जब मेरे पिता जिंदगी से लड़ रहे थे तो मैं 7 दिनों तक अस्पताल में था। उनकी कमी को कोई पूरा नहीं

कर सकता। यह मेरे स्वर्गीय पिता और मेरी मां ही हैं जिन्होंने मुझे क्रिकेट को जारी रखने की इजाजत दी।

गौर हो कि सकारिया के पिता का पिछले महीने (9 मई) कोरोना के कारण निधन हो गया था। सकारिया के पिता एक टैम्पो ड्राइवर थे और वह सकारिया तो देश के लिए खेलते देखना चाहते थे। सकारिया ने आईपीएल 2021 में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए 7 मैचों में 8.22 के इकॉनमी रेट से 7 विकेट झटके थे जिसमें महेंद्र सिंह धोनी का विकेट भी शामिल था।

मैं बस फाइनल मुकाबले का आनंद लूंगी : बारबोरा

पेरिस।

गैर वरीयता प्राप्त चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजकिकोवा ने कहा है कि वह फ्रेंच ओपन के फाइनल मुकाबले का आनंद लेंगी। बारबोरा ने सेमीफाइनल में विश्व की 17वें नंबर की खिलाड़ी मारिया सकारी को 7-5, 4-6, 9-7 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। बारबोरा का फाइनल में सामना रूस की अनासतासिया पावलिउचेंकोवा से होगा। बारबोरा ने कहा, मेरे ख्याल से मैच उतार-चढ़ाव भरा हुआ था। मैंने अपने आप से कहा कि मुझे बस आखिरी अंक तक लड़ना है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम दोनों ही जीत के हकदार थे क्योंकि मैंने और मारिया ने इस मैच में अच्छा खेला लेकिन दोनों में से एक ही खिलाड़ी जीत सकती थी। मुझे खुशी है कि यह मैं थी और मुझे अब एक और मैच खेलना है। बारबोरा ने कहा, अनासतासिया काफी बेहतरीन खिलाड़ी हैं और काफी अनुभवी भी हैं। वह फाइनल में पहुंचीं है और उन्होंने अच्छा खेल भी खेला है। उन्होंने कहा, मुझे लगता कि फाइनल मजेदार होगा और मैं इसका आनंद लूंगी क्योंकि मैंने नहीं सोचा था कि मैं इस टूर्नामेंट में इतनी आगे तक जाऊंगी। मैं बस इसका आनंद लूंगी और अंत तक जीतने के लिए लड़ूंगी।

पहलवान सुशील कुमार की न्यायिक हिरासत 25 जून तक बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने जूनियर पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के आरोपी ओलंपियन पहलवान सुशील कुमार की न्यायिक हिरासत 25 जून तक के लिए बढ़ा दी है। सुशील कुमार को नौ दिन न्यायिक हिरासत में रखने के बाद शुक्रवार को मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट रीतिका जैन के सामने पेश किया गया था। आरोप है कि चार और पांच मई की रात को छत्रसाल स्टेडियम में सुशील और उसके कुछ दोस्तों ने जूनियर पहलवान सागर धनखड़ और उसके दो दोस्तों से मारपीट की थी और इसी कारण सागर की मौत हो गई थी। पुलिस का आरोप है कि सुशील हत्या का मुख्य दोषी और साजिशकर्ता है। पुलिस के अनुसार उसके पास इस बात के इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य वीडियो हैं जिनमें सुशील और उसके साथियों को सागर को पीटते देखा जा सकता है।

श्रीलंका दौरे पर धवन करेंगे कप्तानी, भुवनेश्वर बने उपकप्तान

नई दिल्ली।

श्रीलंका के खिलाफ इस साल जुलाई में होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है और टीम के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन इस सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे जबकि तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को उपकप्तान बनाया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बयान जारी कर बताया कि भारतीय सीनियर चयन समिति ने 13 से 25 जुलाई तक होने वाली तीन वनडे और तीन टी20 मैचों की इस सीरीज के लिए 20 भारतीय टीम की घोषणा की। इस सीरीज के सभी मुकाबले कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारत और श्रीलंका के बीच 13 जुलाई को पहला वनडे मैच खेला जाएगा जबकि दूसरा और तीसरा वनडे क्रमशः 16 और 18 जुलाई को होंगे। वनडे सीरीज के बाद 21, 23 और 25 जुलाई को तीन टी20 मैच होंगे। कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में भारतीय टेस्ट टीम इंग्लैंड के खिलाफ अगस्त-सितंबर में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी, इसलिए श्रीलंका दौरे पर धवन को कप्तान बनाया गया है। धवन के अलावा टीम के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को उपकप्तान बनाया गया है। श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है :

शिखर धवन (कप्तान), पृथ्वी शॉ, देवदत्त पडीकल, रूतुराज गायकवाड़, सूर्यकुमार यादव, मनीष पांडे, हार्दिक पांड्या, नीतीश राणा, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), युजवेंद्र चहल,

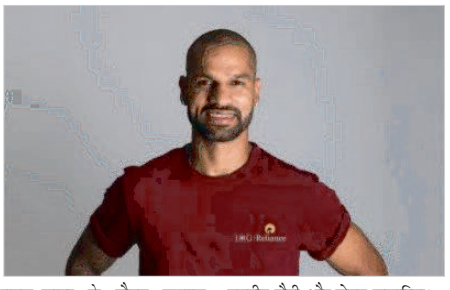

राहुल चाहर, के. गौतम, क्रुणाल पांड्या, कुलदीप यादव, वरूण चक्रवर्ती, भुवनेश्वर कुमार (उपकप्तान), दीपक चाहर, नवदीप सैनी और चेतन सकारिया।

नेट गेंदबाज : इशान पोरेल, संदीप वारियर, अर्शदीप सिंह, साई किशोर और सिमरनजीत सिंह।

'दूसरा' गेंद डालने के लिए कोहनी मोड़ने की मौजूदा 15 डिग्री की सीमा को बढ़ाए आईसीसी : अश्विन

नई दिल्ली। भारत के स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को लगता है कि सकलैन मुश्ताक एकमात्र स्पिनर थे जो अपने करियर के दौरान वैध दूसरा गेंद करते रहे हैं। अश्विन ने कहा कि आईसीसी को 'दूसरा' गेंद डालने के लिए कोहनी मोड़ने की मौजूदा 15 डिग्री की सीमा को बढ़ाना चाहिए। अश्विन ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व परफॉरमेंस विश्लेषक प्रसन्ना अगोराम से चर्चा के दौरान ऑफ स्पिनरों की इस खतरनाक गेंद के बारे में विस्तार से बातचीत की। सकलैन ने दूसरा फेंकने की शुरुआत की थी। मुथैया मुरलीधरन, हरभजन सिंह और सईद अजमल भी इस गेंद से बल्लेबाजों को चौंका देते थे। अश्विन ने अपने तमिल यूट्यूब चैनल शो 'द लीजेंड ऑफ द दूसरा' में अगोराम के साथ चर्चा में कहा मेरे हिसाब से, हमें दूसरा को खत्म नहीं करना चाहिए। बल्कि स्पिनरों को कोहनी के उचित मोड़ के साथ जिम्मेदारी से दूसरा गेंद फेंकने के लिए सक्षम बनाना चाहिए।उन्होंने कहा इसमें किसी भी तरह का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। हर किसी को माइनस 15 डिग्री या 20-22 डिग्री तक मोड़ के साथ गेंदबाजी की अनुमति देनी चाहिए। अगोराम चाहते हैं कि आईसीसी कोहनी को 15 डिग्री तक मोड़ने की सीमा को बढ़ा दे और साथ ही स्पिनरों को जिम्मेदारी से दूसरा गेंद फेंकनी चाहिए। अगोराम कहा मैं बल्ले और गेंद में बराबर संतुलन चाहता हूं। गेंदबाजों को भी बल्लेबाजों की तरह आजादी की जरूरत है। इसी से प्रतिस्पर्धा बेहतर हो सकती है। मैं गेंदबाजों को टी20 क्रिकेट में 125 रन के स्कोर का बचाव करते हुए देखना चाहता हूं लब्बोलुबाब यही है। अगोराम ने कहा लेकिन कुछ मामलों में जब अंपायरों का एक्शन सिर्फ दूसरा के लिए होता है, तो मैं चाहता हूं कि आईसीसी इस कोहनी के मुद्दाव को 18.6 डिग्री तक कर दे।

बीते ३ सप्ताह में ब्लैक फंगस के मामलों में १५०% की वृद्धि

ब्लैक फंगस के इलाज में आवश्यक इंजेक्शन एम्फोटेरिसिन-बी की कमी से मृत्यु दर बढ़ रही है

गांधीनगर।

देश कोरोना की दूसरी लहर से ज ूझ रहा है। दैनिक मामलों में कमी ज रूर दर्ज की जा रही है। लेकिन मौत का आंकड़ा यथावत बना हुआ है। इस बीच ब्लैक फंगस के नए मामलों में भारी वृद्धि दर्ज की जा रही है। देश में ब्लैक फंगस के कुल ३१,२१६ मामले सामने आए हैं। जिसमें से २,१०९ लोगों की मौत दर्ज की जा चुकी है। कुल आंकड़ों को मिलाकर बीते ३ सप्ताह से १५० फीसदी की दर से नए मामले बढ़ रहे हैं। ब्लैक फंगस के इलाज में आवश्यक इंजेक्शन एम्फोटेरिसिन-बी की कमी के कारण मृत्यु दर बढ़ रही है। ब्लैक फंगस के मामले में महाराष्ट्र सबसे आगे है। महाराष्ट्र में अब तक म्युकर माइकोसिस के ७,०५७ मामले सामने आए हैं, जबकि ६०९ मरीजों की मौत दर्ज की गई है। जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाले गुजरात में ५,४१८ मामले और ३२३ मरीजों की मौत दर्ज की गई है। राजस्थान २,९७६ मामलों के साथ तीसरे स्थान पर है। कर्नाटक १८८ मौतों के साथ तीसरे स्थान पर है।

पिछले २५ मई तक महाराष्ट्र में ब्लैक फंगस के २७७० मामले दर्ज हुए थे। वहीं गुजरात में २,८५९ मामले उसी दिन दर्ज हुए थे। सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में १,७४४ मामले और १४२ मौतें दर्ज की गईं। दिल्ली में १,२०० मामले और १२५ मौतें हुई हैं। २५ मई तक उत्तर प्रदेश में ७०१ और दिल्ली में ११९ म्युकर माइकोसिस के केस दर्ज हुए थे। केंद्र सरकार ने अपनी ओर से हर राज्य से ब्लैक फंगस को महामारी घोषित करने को कहा था। यानी ब्लैक फंगस के सभी संदिग्ध मामलों की जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय को देनी होगी।

शराब के नशे में दुष्कर्म की शिकार युवती ने की आत्महत्या

वडोदरा।

शहर के लक्ष्मीपुरा क्षेत्र में रहनेवाली एक युवती ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृत युवती कॉलेज में पढ़ाई के साथ ही निजी कंपनी में नौकरी करती थी। मंगलवार को सहकर्मी दो युवक और एक युवती के साथ अपने घर में पार्टी की थी। कंपनी के सहकर्मियों के साथ अपने घर में शराब पार्टी की थी।

नशे की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किए जाने का पता चलने के बाद युवती ने अपने पिता के घर में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के लक्ष्मीपुरा क्षेत्र में किराए के मकान में रहनेवाली 19 वर्षीय युवती राज्य स्तर की कबड्डी खिलाडी थी और कॉलेज की पढ़ाई के साथ एक निजी कंपनी में नौकरी करती थी। मंगलवार को सहकर्मी दो युवक और एक युवती के साथ अपने घर में पार्टी की थी। पार्टी में युवती समेत सभी चार लोगों ने शराब पी। युवती जब शराब के नशे में थी, तब मौके फायदा उठाते हुए दिशांत कहार नामक शख्स ने उसके साथ दुष्कर्म किया। सुबह शराब का नशा उतरा तो युवती को अपने साथ रेप होने का पता चला। युवती को दुष्कर्म के बारे में पता चल गया है, इसकी जानकारी जब उसके साथियों को हुई वे वहां से भाग गए। युवती के पिता निकट ही रहते थे, जिससे वह वहां चली गई।

लेकिन दुष्कर्म की घटना ने युवती को इस कदर तोड़ दिया कि उसने अपने घर में फांसी लगा ली। परिजन युवती को लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस मामले में दिशांत कहार और नजीर मिर्जा नामक दो शख्सों को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

वैक्सीन नहीं ली तो अहमदाबाद ग्रामीण इलाकों में कारोबार नहीं

अहमदाबाद।

अहमदाबाद जिला कलेक्टर ने आज अहमदाबाद के ग्रामीण इलाकों में कारोबार करने वाले कर्मचारियों और फेरीवालों के लिए एक अधिसूचना जारी कर कोरोना वैक्सीन और कोरोना रिपोर्ट निगेटव को अनिवार्य कर दिया। अगर टीका नहीं लिया है तो अहमदाबाद के ग्रामीण इलाकों में व्यापार नहीं कर पाएंगे।

ग्रामीण इलाकों में धंधा करने वाले लोग अगर टीका नहीं लिया है तो पिछले १० दिनों के दौरान का कोरोना निगेटिव रिपोर्ट पेश करना होगा। अहमदाबाद जिला डेप्यूटी कलेक्टर हर्षद वोरा ने आज एक अधिसूचना जारी की है जिसमें १२ जून से ११ जुलाई के दौरान

१। सब्जियों के खुदरा विक्रेता जो थोक व्यापारी हैं, २।

सभी होटल, रेस्तरां में काम करते हैं, रिक्शा, टैक्सी, कैब के चालक, चाय की दुकान चलाने वाले लोगों को या तो कोरोना वैक्सीन की रिपोर्ट या फिर कोरोना की निगेटिव रिपोर्ट को साथ रखना होगा। इन लोगों को १२ जून से ११ जुलाई के बीच टीकाकरण करवाना अनिवार्य है।

१. सब्जी के थोक और खुदरा व्यापारी। २. होटल, रेस्टोरेंट में काम करने वाले सभी लोग। ३. खाने-पीने की दुकान लगाने वाले लोग। ४. रिक्शा, टैक्सी, कैब के चालक। ५. पान, चाय की दुकान चलाने वाले लोग। ६. हेयर सैलून और ब्यूटीपार्लर में काम करने वाले लोग। ७. निजी सुरक्षा गार्ड। ८. स्वरोजगार कारीगर बढ़ई, लोहार, इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, तकनीशियन। ९. शॉपिंग मॉल और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स कर्मचारी।

भाजपा विधायकों की बैठक १५ जून को होंगी

अहमदाबाद।

गुजरात के भाजपा विधायकों की बैठक १५ जून को गांधीनगर में होगी। इसमें कोरोना महामारी, प्रदेश में विकास कार्यों पर चर्चा होगी। माना जा रहा है कि राज्य के बोर्ड तथा निगमों में राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर भी इसमें कोई फैसला होगा। पार्टी के प्रभारी एवं सांसद भूपेंद्र यादव भी शुक्रवार को गांधीनगर पहुंचे। गांधीनगर में पिछले दो-तीन दिनों से भाजपा विधायक अपनी-अपनी लॉबिंग में लगे हैं। मंत्रिमंडल में स्थान नहीं पा सके भाजपा विधायक तथा कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल किए कुछ विधायकों को बोर्ड निगम मिलने की उम्मीद है। इसीलिए गांधीनगर में हर विधायक अपनी लॉबिंग में लगा है। कोरोना महामारी के दौरान विधायकों की ओर से किए गए जनसेवा कार्य को भी इसमें प्राथमिकता दी जा सकती है। गुजरात भाजपा के प्रभारी एवं सांसद भूपेंद्र यादव के गुजरात पहुंचने से कई अटकलें भी शुरू हो गई है। गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल काफी ताकतवर माने जाते हैं इस कारण दक्षिण गुजरात के विधायक सरकार एवं संगठन के बीच संतुलन बनाने में लगे हैं। सूरत में पांच हजार रेमडेसीविर इंजेक्शन भाजपा की ओर से निशुल्क बांटने को लेकर चर्चा में आए विधायक हर्ष संघवी काफी सक्रिय विधायक माने जाते हैं लेकिन रुपाणी व पाटिल के पावर गेम में संघवी को नुकसान हो सकता है। रुपाणी से जब भाजपा की ओर से इंजेक्शन बांटने को लेकर सवाल पूछा गया तो उनका दो टूक यही कहना था कि जो इंजेक्शन बांट रहे हैं उनसे ही पूछना चाहिए। सरकार ने उस दौरान सरकारी अस्पताल अथवा प्राधिकृत फार्मेसी कंपनी के माध्यम से ही इंजेक्शन की बिक्री तथा वितरण की व्यवस्था की थी ताकि इंजेक्शन की कालाबाजारी तथा मुनाफाखोरी को रोका जा सके। इससे पहले पाटिल ने भाजपा कार्यालय पर आकर मंत्रियों के द्वारा कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनने का फरमान जारी किया था इसको लेकर काफी चर्चा हुई लेकिन बाद में स्वर्णिम संकुल में ही बैठकर मंत्री जनता एवं कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुनने लगे। अब एक बार फिर बोर्ड निगम को लेकर विधायकों में उम्मीद जगी है लेकिन रुपाणी तथा पाटिल खेमें में बटे विधायक असमंजस की स्थिति में हैं। मंत्रिमंडल में जगह नहीं पा सके विधायक अब बोर्ड निगम के लिए आशा लगाएं तथा गांधीनगर में अपने लिए लॉबिंग में भी जुटे हैं।

कांग्रेस ने ईंधन की कीमतों की वृद्धि में प्रदर्शन किया

कांग्रेस ने अहमदाबाद, गांधीनगर, राजकोट, भरूच, पालनपुर, सूरत और वड़ोदरा में प्रदर्शन का आयोजन किया

सूरत।

ईंधन की कीमतों में वृद्धि को लेकर पुलिस की अनुमति लिए बगैर केन्द्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस के १०० से ज्यादा कार्यकर्ताओं, विधायकों और नेताओं को पुलिस ने शुक्रवार को हिरासत में लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ पार्टी हाई कमान द्वारा आहूत राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन के तहत गुजरात कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अहमदाबाद, गांधीनगर, राजकोट, भरूच, पालनपुर, सूरत और वड़ोदरा में प्रदर्शन का आयोजन किया। गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष अमित चावड़ा ने गांधीनगर में प्रदर्शन का नेतृत्व किया, वहीं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भरतसिंह सोलंकी ने वड़ोदरा में प्रदर्शन का नेतृत्व किया जहां कार्यकर्ताओं ने रस्सी के सहारे एक कार को खींचा।

पुलिस के अनुसार, अलग-अलग शहरों से १०० से ज्यादा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बिना अनुमति के प्रदर्शन करने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। गांधीनगर के पुलिस उपाधीक्षक एम. के. राणा ने बताया कि गांधीनगर के सत्याग्रह छावनी मैदान के निकट प्रदर्शन कर रहे चावड़ा और ४० अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया है। राणा ने कहा, हमने अमित चावड़ा, गांधीनगर से विधायक सी. जे. चावड़ा सहित कांग्रेस के करीब ४० कार्यकर्ताओं को कोरोना वायरस महामारी के दौरान पुलिस की अनुमति के बिना आयोजन करने के आरोप में हिरासत में लिया है। इन सभी को छोड़ने के संबंध में वरिष्ठ अधिकारी जल्दी फैसला लेंगे। एक अधिकारी ने बताया कि वड़ोदरा में पुलिस ने सोलंकी और कांग्रेस के २० अन्य कार्यकर्ताओं को कुछ देर के लिए हिरासत में लिया, वहीं राज्य के अन्य हिस्सों में भी पार्टी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया।

राजकोट में भी २० कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। विधायक परमार ने हिरासत में लिए जाने से पहले कहा कि भाजपा २०१४ में केन्द्र की सत्ता में आयी जिसके बाद से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है।

वडोदरा में दूषित पानी से एक हफ्ते में तीन की मौत

वडोदरा।

शहर के नागरवाड़ा क्षेत्र के वार्ड नंबर ८ के कार्यालय में आक्रोशित स्थानीय लोगों ने तोड़फोड़ की है। दरअसल दूषित पानी पीने से डायरिया-उल्टी और बुखार के मामले बढ़े हैं। जिसकी वजह से एक हफ्ते में ३ मरीजों की मौत हुई है। इस मामले को लेकर स्थानीय लोग निगम के वार्ड नंबर ८ के कार्यालय पहुंचे और वहां तोड़फोड़ कर अपने गुस्से का इजहार किया। हालांकि पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचकर मामले को शांत कर दिया। मिल रही जानकारी के अनुसार नागरवाड़ा क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से दूषित पानी आने की समस्या से स्थानीय लोग परेशान थे। स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत नगर पालिका से भी की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। दूषित पानी को पीने से लोग बीमार हो रहे हैं। बीते एक सप्ताह में ३ लोगों की मौत हो गई। जबकि २० से अधिक लोग अभी भी दस्त-उल्टी और बुखार जैसी समस्याओं से पीड़ित हैं। इस परेशानी को लेकर स्थानिक लोग कई बार आवेदन दे चुके हैं। लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। जिससे परेशान होकर स्थानिक लोगों ने एक रैली का आयोजन किया। जब रैली मनपा वार्ड नंबर ८ के कार्यालय में पहुंची तो स्थानिक लोगों ने तोड़फोड़ शुरू कर दिया। आक्रोशित स्थानीय लोगों ने कार्यालय में कंप्यूटर, मेज और कुर्सियों सहित फर्नीचर को क्षतिग्रस्त कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि निगम की लापरवाही से ३ लोगों की मौत हो गई है और अन्य बीमार हो गए हैं।

एकतरफा प्यार करते आशिक ने की लड़की से छेड़खानी

लड़की के घर के पास रहने वाला एक युवक समय-समय पर लड़की का पीछा करता था और गंदे इशारे करता था

अहमदाबाद।

एकतरफा प्यार करने वाले आशिक ने कहा कि अगर तुम मुझसे शादी नहीं करोगी तो जी नहीं पाउंगा। यह कहते हुए लड़की के साथ छेड़खानी की थी। अब यह मामला पुलिस स्टेशन में पहुंच गया है।

पुलिस मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। मिल रही जानकारी के अनुसार शहर के दानीलिमड़ा इलाके में रहने वाली ३२ वर्षीय लड़की अपने घर के पास सब्जी का ठेला लगाकर कारोबार करती है।

लड़की के घर के पास रहने वाला एक युवक समय-समय पर लड़की का पीछा करता था और गंदे इशारे भी करता था। हालांकि लड़की लड़के के इन हरकतों पर ध्यान नहीं दे रही थी। लेकिन एक रात जब युवती सब्जी का ठेला लेकर घर जा रही थी। तभी अचानक एकतरफा प्यार करने वाला आशिक आया और लड़की को पीछे से पकड़ लिया और उसके शारीरिक के साथ छेड़खानी करने लगा। आशिक ने कहा कि तुम मुझसे शादी कर लो मैं तुम्हारे बिना नहीं रह सकता। घर पहुंचने पर लड़की ने घटना की सूचना अपने भाई और भाभी को दी। जिसके बाद लड़की ने युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

कोरोना की स्थिति के आधार पर रथयात्रा का निर्णय होगा

गृह राज्य मंत्री प्रदीप सिंह जाडेजा का बड़ा बयान

परंपरागत रूप से निकलने वाली जलयात्रा को प्रोटोकॉल के अनुसार निर्धारित लोगों के साथ करने की अनुमति

अहमदाबाद।

कोरोना के दैनिक मामलों में कमी दर्ज होने के बाद राज्य सरकार ने आर्थिक स्थिति को पटरी पर लाने के लिए आंशिक लॉकडाउन से छूट देने का सिलसिला शुरू कर दिया है। कोरोना के नए मामलों की संख्या में कमी को देखते हुए रथ यात्रा की तैयारियां शुरू कर दी गई है। रथयात्रा निकाली जाए या नहीं इस पर फैसला लेने के लिए आज अहमदाबाद में अहम बैठक होनी है। इस बीच गुजरात के गृह राज्य मंत्री प्रदीप सिंह जाडेजा ने कहा कि राज्य भर के मंदिरों को निर्धारित प्रोटोकॉल दिशानिर्देशों के साथ खोलने की अनुमति से पहले से दी जा चुका है। श्रद्धालु भगवान का आशीर्वाद लेने के लिए श्रद्धा केंद्रों, आस्था केंद्रों पर आते हैं। मैं भी भगवान जगन्नाथ जी के चरणों में शीश झुकाने आया हूं। प्रदीप सिंह जाडेजा ने कहा, मुख्यमंत्री ने कल रथ यात्रा को लेकर कहा था कि कोरोना संक्रमण की स्थिति के आधार पर निर्णय लिया जाएगा। मठाधीश और मंदिर के न्यासियों से मिलकर चर्चा करने के बाद ही उचित फैसला लिया जाएगा। गृह राज्य मंत्री ने आगे कहा कि परंपरागत रूप से निकलने वाली जलयात्रा को प्रोटोकॉल के अनुसार निर्धारित लोगों के साथ करने की राज्य सरकार ने अनुमति दी है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)